सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

प्रतिका रावल पर लगा जुमार्ना, इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में ये हरकत पड़ी महंगी... -पेज: 7

महिलाओं को लेकर पुरानी सोचअभी भी कायम: फातिमा सना शेख..... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 100 | शनिवार 19 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

बिहार को मोदी की सौगात: मोतिहारी में बोले पीएम, हर पिछड़े को प्राथमिकता', कांग्रेस-राजद पर साधा निशाना

मोतिहारी (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को बिहार के मोतिहारी पहुंचे और राज्य को 7,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर बड़ी सौगातें दीं। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि चंपारण की यह धरती जिसने इतिहास रचा है, वही बिहार के नए भविष्य की भी प्रेरणा बनेगी। उन्होंने कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल पर तीखा हमला भी बोला। विकसित बिहार का संकल्प: पूर्वी भारत को बनाएंगे नया 'मुंबई' पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार का संकल्प है कि आने वाले समय में जैसे पश्चिमी भारत में मुंबई है, वैसे ही पूरब में मोतिहारी का नाम होगा। जैसे गुरुग्राम में बड़े अफसर हैं, वैसे ही गया में भी बनेंगे। पुणे की तरह पटना में भी औद्योगिक विकास होगा। उन्होंने जोर दिया कि पूर्वी भारत को आगे बढ़ाने के लिए बिहार को विकसित भारत बनाना जरूरी है। कांग्रेस पर हमला: "बिहार से लिया बदला" प्रधानमंत्री ने दावा किया कि बिहार में इतनी तेजी से काम इसलिए हो रहा है क्योंकि केंद्र और राज्य दोनों में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को बिहार के मोतिहारी पहुंचे और राज्य को 7,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर बड़ी सौगातें दीं। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि चंपारण की यह धरती जिसने इतिहास रचा है

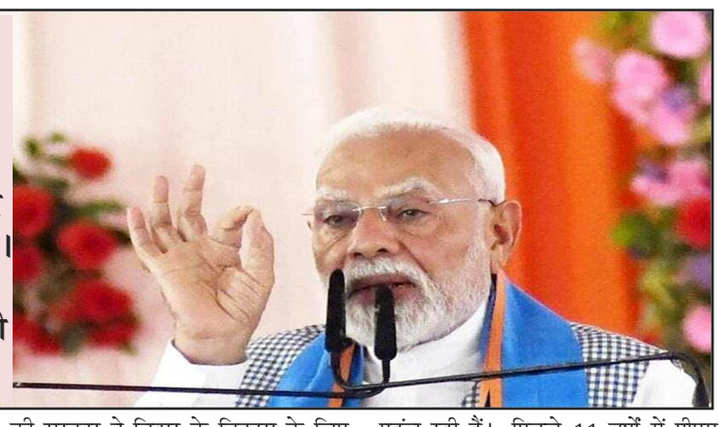

बिहार के लिए काम करने वाली सरकार है। उन्होंने कहा, "जब केंद्र में कांग्रेस और फखऊ की सरकार थी, तो 10 साल में बिहार को सिर्फ 2 लाख करोड़ के आसपास मिले। यानी वे नीतीश सरकार से, और बिहार से बदला ले रहे थे।" पीएम मोदी ने आगे कहा कि 2014 में जब उन्हें बिहार में सेवा करने का मौका मिला, तो NDA की पिछले 10 सालों की सरकार ने बिहार के विकास के लिए कांग्रेस के मुकाबले कई गुना ज्यादा पैसा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि दो दशक पहले बिहार हताशा में डूबा था और फखऊ-कांग्रेस के राज में विकास पर ब्रेक लगा हुआ था। आप लोगों ने बिहार को फखऊ और कांग्रेस की बेड़ियों से मुक्त किया, जिसके चलते आज गरीब कल्याण की योजनाएं सीधे गरीबों तक पहुंच रही हैं। पिछले 11 वर्षों में पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ से ज्यादा घर बनाए गए हैं, जिनमें से करीब 60 लाख घर अकेले बिहार में बने हैं। मोतिहारी में ही 3 लाख के करीब घर पीएम आवास योजना के तहत बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राज में गरीबों को ऐसे पक्के घर मिलना असंभव था। जन धन खाते खुलवाए गए, बिहार में 3 करोड़ से ज्यादा महिलाओं के जन धन खाते खुले हैं। नीतीश सरकार ने पेंशन स्कीम को 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दिया है। बिहार में लखपति दीदी की संख्या बढ़ रही है, अब तक डेढ़ करोड़ बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं, और देश में 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। बिहार में 20 लाख से ज्यादा लखपति दीदी बन चुकी हैं। पीएम ने कहा कि बीजेपी और NDA का विजन है कि जब बिहार आगे बढ़ेगा तभी देश आगे बढ़ेगा, और बिहार तब आगे बढ़ेगा जब युवा आगे बढ़ेंगे। उनका संकल्प है, समृद्ध बिहार और हर युवा को रोजगार। ऑपरेशन सिंदूर और पिछड़ों को प्राथमिकता पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारत को नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त किया जाएगा, और बिहार की इसी धरती से उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का संकल्प लिया था, जिसकी सफलता आज पूरी दुनिया देख रही है। उन्होंने जोर दिया कि जब वे पिछड़ों और अति पिछड़ों के लिए लगातार काम करने की बात करते हैं,

महाराष्ट्र के इस इलाके का बदला नाम, छगन भुजबल बोले- कैबिनेट का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजेंगे

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने बड़ी फैसला लेते हुए सांगली जिले के इस्लामपुर कस्बे का नाम बदलने का एलान किया है। अब इस्लामपुर को ईश्वरपुर के नाम से जाना जाएगा। यह फैसला विधानसभा के मानसून सत्र के आखिरी दिन लिया गया है। खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने विधानसभा में बताया कि यह निर्णय गुरुवार को हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया। इसके बाद अब राज्य सरकार इस फैसले को केंद्र सरकार के पास मंजूरी के लिए भेजेगी। किसकी भूमिका रही अहम? इस मांग के पीछे हिंदुत्ववादी संगठन शिव प्रतिष्ठान की प्रमुख भूमिका रही। संगठन ने सांगली जिले के कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर इस्लामपुर का नाम बदलकर ईश्वरपुर करने की मांग की थी। चलाया गया था आंदोलन शिव प्रतिष्ठान के प्रमुख संबाजी भिडे के समर्थकों ने इस नाम परिवर्तन की मांग को लेकर लंबे समय से आंदोलन चलाया था। उनका कहना है कि जब तक यह मांग पूरी नहीं होती वे शांत नहीं बैठेंगे। क्षेत्र के एक शिवसेना नेता ने भी बताया कि साल 1986 से यह मांग लंबित थी।

पूर्व सीएम भूपेश के घर-रेड, बेटे चैतन्य बघेल को शराब घोटाले में ईडी ने किया गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ (एजेंसी): करोड़ों रुपये के कथित छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की चल रही जाँच में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी उनके भिलाई-3 स्थित आवास पर तड़के हुई छापेमारी के तुरंत बाद हुई, जिससे राज्य के शराब व्यापार से जुड़ी ईडी की धन शोधन जाँच में एक बड़ी प्रगति हुई है। चैतन्य के जन्मदिन के अवसर पर हुई यह गिरफ्तारी एजेंसी को मिले नए सुरागों के बाद हुई है। एजेंसी 2019 से 2022 के बीच कांग्रेस के नेतृत्व वाले शासन के दौरान शराब की बिक्री और वितरण में हेराफेरी के माध्यम से जनता के

पैसे की हेराफेरी में कथित रूप से शामिल सरकारी अधिकारियों, व्यापारियों और राजनीतिक हस्तियों के एक बड़े नेटवर्क की जाँच कर रही है। सुबह-सुबह छापा और पिछली कार्रवाई सुबह करीब 6:00 बजे, सीआरपीएफ जवानों के साथ ईडी के अधिकारी तीन वाहनों में सवार होकर बघेल के आवास पर तलाशी लेने पहुँचे। यह छापा उस व्यापक जाँच का हिस्सा है जिसके तहत एजेंसी मार्च 2025 में दुर्ग जिले में 14 ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है, जिनमें बघेल और शराब कारोबारी लक्ष्मी नारायण बंसल (उर्फ पप्पू बंसल) से जुड़ी संपत्तियाँ भी शामिल हैं। उस कार्रवाई में नकदी जब्त की गई थी और नोट गिनने वाली मशीनों का इस्तेमाल किया गया था, जो बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं की ओर इशारा करता है। शराब घोटाले से 2,161 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान ईडी के अनुसार, इस घोटाले से राज्य के खजाने को 2,161 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ। कथित अवैध सिंडिकेट छत्तीसगढ़ राज्य विपणन निगम लिमिटेड (सीएसएमसीएल) के माध्यम से संचालित होता था, शराब बनाने वालों से रिश्वत लेता था और बदले में उन्हें बाजार में हिस्सेदारी देता था। सरकारी दुकानों के माध्यम से देशी शराब की ऑफ-द-बुक बिक्री, विदेशी शराब व्यापार के लिए एफएल-10ए लाइसेंसों में हेराफेरी, तथा कार्टेल जैसी बाजार प्रथाओं का कथित तौर पर अपराध की भारी आय को सफेद करने के लिए उपयोग किया गया।

लालू यादव को सुप्रीम कोर्ट से झटका, ट्रायल पर रोक लगाने से किया इनकार

बिहार (एजेंसी): उच्चतम न्यायालय ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव को झटका देते हुए जमीन के बदले नौकरी घोटाले से संबंधित उनकी याचिका पर सुनवाई करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। शीर्ष न्यायालय ने इस मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग वाली पूर्व मुख्यमंत्री की याचिका पर सुनवाई करने से आज मना कर दिया। लालू यादव दिल्ली उच्च न्यायालय से राहत नहीं मिलने पर शीर्ष अदालत की शरण में गए थे। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की खंडपीठ ने पूर्व रेल मंत्री की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की संक्षिप्त दलीलें सुनने के बाद कहा

कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के आरोपपत्र को रद्द करने की यादव की याचिका पर दिल्ली उच्च न्यायालय फैसला करेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने साथ ही, दिल्ली उच्च न्यायालय को मुख्य याचिका का शीघ्र निपटारा करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने हालांकि याचिकाकर्ता को राहत देते हुए कहा कि निचली अदालत में उनकी उपस्थिति की अनिवार्यता समाप्त की जा सकती है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 29 मई को यादव की निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने की याचिका खारिज कर दी थी। उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका खारिज करते हुए कहा था कि कार्यवाही पर रोक लगाने का कोई ठोस कारण नहीं है। राजद अध्यक्ष ने अपनी याचिका में दावा किया कि निष्पक्ष जांच के उनके मौलिक अधिकार का उल्लंघन करते हुए अवैध और दुर्भावना से प्रेरित जांच के जरिए उन्हें परेशान किया जा रहा है। उन्होंने मामले में खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि नए सिरे से जांच शुरू करना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। इससे पहले, उच्च न्यायालय ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी रद्द करने की यादव की याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया था। इस मामले में उच्च न्यायालय 12 अगस्त को सुनवाई करेगा। सीबीआई ने 18 मई, 2022 को मामला दर्ज किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि वर्ष 2004 से वर्ष 2009 के दौरान, यादव ने ग्रुप डी रेलवे की नौकरियों के बदले अपने परिवार के लिए जमीन हासिल करने के लिए

बंगाल में पीएम मोदी ने 5000 करोड़ की परियोजनाओं का किया शिलान्यास, बोले- विकसित भारत को लेकर दुनिया भर में चर्चा

पश्चिम बंगाल (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में 5000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एक इस्पात नगरी होने के नाते, दुर्गापुर भारत की जनशक्ति का केंद्र भी है। देश के विकास में दुर्गापुर की महत्वपूर्ण भूमिका है। ये विकास परियोजनाएं कनेक्टिविटी बढ़ाएंगी और इस्पात नगरी की पहचान को मजबूत करेंगी। मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया में विकसित भारत के संकल्प की चर्चा है। इसके पीछे भारत में दिख रहे वो बदलाव हैं जिन पर विकसित भारत की इमारत का निर्माण हो रहा है। इन बदलावों का एक बड़ा पहलू भारत का इंफ्रास्ट्रक्चर है। मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में रेल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए बहुत काम किया गया है। पश्चिम बंगाल देश के उन राज्यों में से एक

है जहाँ वंदे भारत ट्रेनें बड़ी संख्या में चलाई जा रही हैं। कोलकाता मेट्रो का विस्तार किया जा रहा है। रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। आज पश्चिम बंगाल को दो नए रेलवे ओवरब्रिज समर्पित किए गए हैं प्रधानमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि हमें 2047 तक भारत को विकसित बनाना है। हमारा रास्ता है- विकास से सशक्तिकरण, रोजगार से आत्मनिर्भरता, संवेदनशीलता से सुशासन। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश में गैस कनेक्टिविटी पर बहुत काम हुआ है। पिछले एक दशक में, हर घर तक रसोई गैस पहुँची है और दुनिया ने इसकी सराहना की है। हमने वन नेशन, वन गैस विजन पर काम किया और प्रधानमंत्री ऊर्जा योजना बनाई। इसके तहत, पश्चिम बंगाल सहित, भारत के छह पूर्वी राज्यों में पाइपलाइन बिछाई जा रही है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने देश के युवाओं से विकसित भारत का निमार्ता बनने की अपील की

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को देश के युवाओं से 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने की अपील की, जो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा अमृत काल के लिए दिए गए पंच प्रण (पांच प्रतिज्ञाओं) में शामिल है। भारत के अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र आंदोलन (आईआईएमयूएन) सम्मेलन 2025 का उद्घाटन करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने युवाओं से 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहने को कहा। प्रधानमंत्री के 15 अगस्त, 2022 के संबोधन को याद करते हुए, उन्होंने कहा कि उस पीएम मोदी ने कहा था कि 2047 में भारत की स्वतंत्रता की शताब्दी तक अमृत काल की 25 वर्ष की अवधि राष्ट्र के लिए एक निर्णायक क्षण है। उन्होंने आगे कहा कि उनकी पांच प्रतिज्ञाओं में से पहली प्रतिज्ञा भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प है। युवाओं से कहा कि वे इस बदलाव के प्रमुख वाहक

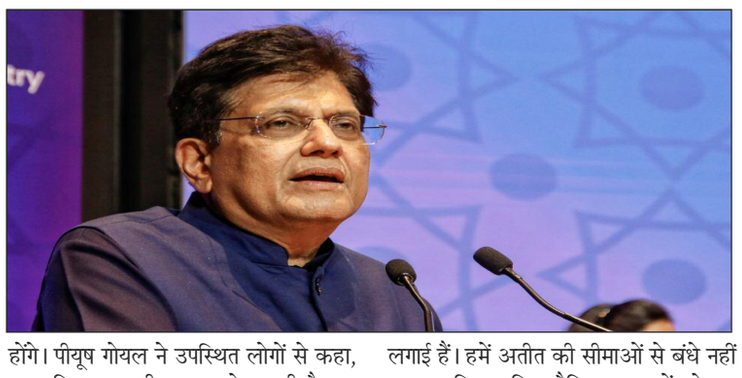

होंगे। पीयूष गोयल ने उपस्थित लोगों से कहा, यह प्रतिबद्धता तभी साकार हो सकती है जब हम शेष चार प्रतिज्ञाओं को भी समान गंभीरता से अपनाएं। गोयल ने कहा, दूसरी प्रतिज्ञा औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागना है। वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में भारत के समृद्ध इतिहास का उल्लेख करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सदियों की विदेशी अधीनता ने आत्मविश्वास को कम किया है और सीमाएं लगाई हैं। हमें अतीत की सीमाओं से बंधे नहीं रहना चाहिए, बल्कि वैश्विक मानकों को पूरा करने और महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने की आकांक्षा रखनी चाहिए। तीसरी प्रतिज्ञा भारत की विरासत पर गर्व करने के बारे में है। गोयल ने कहा कि जैसे-जैसे हम एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर बढ़ रहे हैं, भारत का इतिहास, संस्कृति, परंपराएं और मूल्य प्रणालियां गहरा महत्व रखती हैं। चौथी प्रतिज्ञा के बारे में बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता सर्वोपरि होनी चाहिए। यह एकता ही भारत की सबसे बड़ी ताकत है और इसे हर स्तर पर पोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह सामूहिक भावना देश के विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा का मूल आधार है। उन्होंने कहा कि पांचवीं प्रतिज्ञा राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए 1.4 अरब भारतीयों का सामूहिक संकल्प है। गोयल ने कहा कि एक विकसित भारत तभी उभर सकता है जब सभी नागरिक एक परिवार की तरह, साझा जिम्मेदारी और करुणा के साथ मिलकर काम करें। पीयूष गोयल ने कहा कि हमें हाशिए पर पड़े लोगों के लिए चिंतित होना चाहिए, वंचितों की देखभाल करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारी प्रगति समावेशी और टिकाऊ हो। केंद्रीय मंत्री ने युवाओं से सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रूप से भाग लेने पर विचार करने का भी आग्रह किया।

सोशल मीडिया पर फर्जी खातों से कांवड़ यात्रियों को बदनाम करने की साजिश की जा रही है: सीएम योगी

वाराणसी (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी खाते बनाकर कांवड़ यात्रियों को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह ऐसी मानसिकता है जो हर जगह भारत की विरासत का अपमान करना चाहती है। वाराणसी में जनजातीय गौरव बिरसा मुंडा पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी खाते बनाकर जातियों में विभेद और संघर्ष को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसे रोकने की आवश्यकता है। उन्होंने जनजातीय समाज को भारत का मूल समाज बताते हुए इसके ऐतिहासिक योगदान पर चर्चा की और कहा कि यह समाज हर कालखंड में देश की रक्षा और संस्कृति के संरक्षण के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़ा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्रेता युग में जब माता सीता का अपहरण हुआ, तब वनवास में रह रहे भगवान राम के पास अयोध्या या जनकपुर की सेना नहीं थी, लेकिन जनजातीय समाज उनके साथ मिलकर रावण के खिलाफ युद्ध लड़ा। उन्होंने कहा कि इसी तरह, महाराणा प्रताप ने अरावली के जंगलों में भटकते हुए जनजातीय समाज के सहयोग से अपनी सेना का पुनर्गठन किया और अकबर से युद्ध किया। योगी आदित्यनाथ ने बिरसा मुंडा को

राष्ट्रीय आंदोलन का उत्प्रेरक बताते हुए कहा कि जनजातीय समाज ने हमेशा भारत की विरासत और धरोहर को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बिरसा मुंडा ने अल्पायु में धरती माता और गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने का संदेश दिया, जो आज भी प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारें जनजातीय समाज तक शासन की सुविधाएं नहीं पहुंचा सकीं। उन्होंने कहा कि जहां संवाद बाधित होगा, वहां संघर्ष की स्थिति पैदा होगी। उन्होंने कहा हमारी सरकार ने 2017 के बाद जनजातीय गांवों को राजस्व गांव का दर्जा दिया। 1947 से 2017 तक इन गांवों में मतदान का अधिकार तक नहीं था। हमने राशन कार्ड, जमीन के पट्टे और पेंशन जैसी सुविधाएं दीं। सोनभद्र, चंदौली, मीरजापुर और नेपाल की तराई में जनजातीय समाज को योजनाओं से जोड़ा गया। मुख्यमंत्री ने जनजातीय समाज को सनातन परंपरा का सच्चा प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि यह समाज वेदों की शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारता है और इसने प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर वेदों की शिक्षाओं को जिया है। उन्होंने कहा कि भारत की परंपरा में यह कभी नहीं कहा गया कि मंदिर जाने वाला या ग्रंथ मानने वाला ही हिंदू है। उन्होंने कहा जो मानेगा, वह भी हिंदू है और जो नहीं मानेगा, वह भी हिंदू है। चार्वाक और भगवान बुद्ध ने वेदों को नहीं माना, फिर भी वे हमारे लिए पूज्य हैं। मुख्यमंत्री ने जनजातीय समाज के लिए कार्य करने वाले पद्मश्री अशोक भगत की सेवाओं की सराहना की। इस अवसर पर पद्मश्री अशोक भगत, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, अनिल राजभर, राज्यमंत्री रविन्द्र जायसवाल,दयाशंकर मिश्र दयालु, कई विधायक और महाविद्यालय के शिक्षक मौजूद थे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी खाते बनाकर कांवड़ यात्रियों को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह ऐसी मानसिकता है जो हर जगह भारत की विरासत का अपमान करना चाहती है।

संपादकीय

टेस्ला का भारत में प्रवेश

जिस दिन देश में घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री में कमी आने की रिपोर्ट आई ठीक उसी दिन अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला ने धूमधाम से भारत में प्रवेश कर लिया। टेस्ला ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में अपना पहला 'एक्सपीरियंस सेंटर' खोला है। खेद की बात यह कि कंपनी भारत में कार बनाने नहीं, बल्कि आयातित कारें बेचने आई है। मस्क ने इससे पहले उच्च आयात शुल्क को कंपनी के भारत में नहीं आने की वजह बताया था। कंपनी चीन स्थित शंघाई विनिर्माण संयंत्र में बने मॉडल 'वाई' को आयात करके भारत में बेचेगी जिसकी शुरूआती कीमत 59.89 लाख रुपये है। मध्यम आकार की इलेक्ट्रिक एसयूवी 'वाई' कभी दुनिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार थी। यह भारत में दो संस्करणों में उपलब्ध होगी। दोनों कारें एक बार की चार्जिंग में क्रमशः 500 और 622 किमी. का सफर तय कर सकती हैं। मस्क की कंपनी टेस्ला कुछ समय से बिक्री में गिरावट से जूझ रही है। मस्क लंबे समय से भारत में टेस्ला को लाने की प्लानिंग कर रहे थे। उनकी योजना भारत में टेस्ला का कारखाना लगाने की भी थी। भारत में जिस मॉडल की कीमत लगभग 60 लाख रु पये है, उसी मॉडल की कीमत अमेरिका में 44,990 डॉलर यानी लगभग 39 लाख रु पये है, चीन में 36,700 डॉलर यानी 32 लाख रुपये और जर्मनी में 45,970 डॉलर यानी करीब 39 लाख 50 हजार रुपये है। टेस्ला भारत में जिन कारों को ग्राहकों के लिए लेकर आएगी उन पर करीब 100 फीसद टैरिफ लगेगा। टेस्ला के भारत में आने से हमें बहुत खुश होने की जरूरत नहीं है। जब तक यह भारत में विनिर्माण संयंत्र नहीं लगाती तब तक भारतीयों को अपने बीच के ही चंद अरबपतियों की कारें देख कर खुश होना पड़ेगा। वैसे भी टेस्ला भारत में इलेक्ट्रिक कारों के प्रीमियम ग्रुप को ही लक्ष्य बना रही है। ये भारत के कुल ऑटोमोबाइल मार्केट का 4 फीसद है। टेस्ला, इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली घरेलू कंपनियों जैसे टाटा मोटर्स और महिंद्रा से प्रतिस्पर्धा नहीं करेगी। उसका मुकाबला होगा बीएमडब्ल्यू और मर्सडीज-बेंज से। सरकार कहती है कि देश में लोग तेजी से गरीबी की रेखा से ऊपर आ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की राय इसके उलट है। आप भी टेस्ला की कार चलाना चाहते हैं तो अमेरिका से ट्रेड डील या भारत के टैरिफ घटाने का इंतजार करें।

चिंतन-मनन

सुख की उपेक्षा क्यों?

मेरे पास लोग आते हैं। जब वे अपने दुख की कथा रोने लगते हैं, तो बड़े प्रसन्न मालूम होते हैं। उनकी आंखों में चमक मालूम होती है। जैसे कोई बड़ा गीत गा रहे हों! अपने घाव खोलते हैं, लेकिन लगता है जैसे कमल के फूल ले आए हैं। सुख की तो कोई बात ही नहीं करता। और ऐसा नहीं है कि सुख नहीं है; हम सुख पर पर ध्यान नहीं देते हैं। हम दुःख-दुख चुन लेते हैं; हम सुख की उपेक्षा कर देते हैं। फिर जिसकी उपेक्षा कर देते हैं, स्वभावतः धीरे-धीरे वह दूर चला जाता है और जिसमें हम रस लेते हैं वह पास होता चला जाता है।

संतों की बात तुम्हें तभी जमेगी, रुचेगी, भली लगेगी, प्रीतिकर मालूम होगी-जब तुम दुख को पकड़ना छोड़ दोगे; जब तुम जागोगे और सुख की सचेष्ट खोज शुरू करोगे। तुम्हारे भीतर अगर अभी भी दुख को पकड़ने का आयोजन चल रहा है, तो संतों के वचन तुम्हारे कानों में गूजेंगे और खो जाएंगे। तुम्हारे हृदय तक नहीं पहुंचेंगे। क्योंकि संतों के वचनों में बड़ा सुख भरा है। तुम सुखोन्मुख हो जाओ, तुम आनंद की खोज में लग जाओ; तो ये एक-एक शब्द ऐसे जाएंगे तुम्हारे भीतर जैसे तीर चले जाएं। और ये एक-एक शब्द तुम्हारे भीतर ऐसे-ऐसे हजार-हजार फूल खिला देंगे, जैसे कभी न खिले थे। तुम्हारे भीतर बड़ी रोशनी होगी।

ये छोटे-छोटे शब्द हैं। मगर ये बड़े सार्थक शब्द हैं। सुनो- ह्यबोलू हरिनाम तू छोड़ि दे काम सब, सहज में मुक्ति होई जाय तेरी।काम यानी कामना। काम यानी वासना। काम यानी इच्छा, तृष्णा। यह मिले वह मिले-कुछ मिले! जब तक हम मिलने की दौड़ में होते हैं, हम भिखमंगे होते हैं। और जब तक हम भिखमंगे होते हैं, तब तक परमात्मा नहीं मिलता। परमात्मा भिखमंगों को मिलता ही नहीं। परमात्मा सम्राटों को मिलता है। परमात्मा उनको मिलता है जो अपने मालिक है। परमात्मा उनको मिलता है जो कुछ मांगते ही नहीं।

असल में वे ही परमात्मा को मांगने में कुछ सफल हो पाते हैं, जो और कुछ नहीं मांगते। जिन्होंने कुछ और मांगा, वे परमात्मा को कैसे मांगेंगे। वह जबान फिर परमात्मा को मांगने के योग्य न रह गई। वह जबान अपवित्र हो गई। जिस जबान से बेटा मांगा, बेटी मांगी, धन मांगा, पद मांगा, प्रतिष्ठा मांगी-उसी जबान से परमात्मा को मांगोगे? इस जहर भरे पात्र में अमृत रखोगे? यह जबान जब तक मांगती है तब तक संसार है। जिस दिन यह जबान मांगती नहीं, उस दिन परमात्मा की यात्रा शुरू हुई। उस दिन बिन मांगे मिलता है। ऐसे तो मांगे-मांगे भी नहीं मिलता।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

नशा मुक्त युवा, विकसित भारत का सारथी

डॉ. मनसुख मांडविया

कहा जाता है कि अगर किसी देश को आगे बढ़ना है, विकसित होना है, तो उसका युवा सशक्त और समर्थ होना चाहिए। विश्व में भारत ऐसा देश है, जहां सबसे अधिक युवा आबादी है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि अगर भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है, तो उसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका हमारी युवा शक्ति ही निभाएगी। देश के विकास की रफ्तार युवाओं की ऊर्जा, विचार और संकल्प से ही तय होती है।

लेकिन आज राष्ट्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती है, अपने युवाओं को नशे की लत से दूर रखना। वर्तमान में युवा वर्ग नशे के घेरे में आता जा रहा है। यह नशा न केवल उनके स्वास्थ्य बल्कि करियर, सपनों और देश की ताकत को भी प्रभावित कर रहा है। एक स्टडी के मुताबिक, भारत में 10 से 24 वर्ष की उम्र के हर 5 में से 1 युवा ने कभी न कभी ड्रग्स का सेवन किया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) की रिपोर्ट के अनुसार, 8.5 लाख से अधिक बच्चे ड्रग्स की लत का शिकार हैं। ये आंकड़े बेहद डरावने और चिंतन योग्य हैं।

ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों के खात्मे के लिए भारत सरकार ने पिछले 11 वर्षों में कई प्रभावी कदम उठाए हैं। 2020 में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने नशा मुक्त भारत अभियान की शुरूआत की। नशे की लत को रोकने और पीड़ितों की सहायता के लिए सरकार ने राष्ट्रीय नशा मुक्ति केंद्र (IRCAs) और आउटरीच-कम-ड्रॉप-इन सेंटर (ODICs) की स्थापना की। स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाए गए। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) ने ड्रग माफिया के विरुद्ध सशक्त ऑपरेशन्स किए। साथ ही, देशभर में युवाओं की काउंसलिंग हेतु हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर भी स्थापित किए गए। इसके अलावा विभिन्न राज्यों में भी स्थानीय प्रशासन, गैर-सरकारी संस्थाओं और सामाजिक कार्यकताओं के सहयोग से नशे के विरुद्ध कई बड़े अभियान चलाए जा रहे हैं।

भारत इस लड़ाई को और मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में MY Bharat ने एक बड़ी पहल की है। बाबा काशी विश्वनाथ की धरती से 19 से 20 जुलाई तक युवा आध्यात्मिक समिट का आयोजन किया जा रहा है। इसका थीम होगा नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत। वाराणसी के पावन घाटों पर आयोजित होने वाले इस समिट का उद्देश्य, एक ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाना है, जो युवाओं के नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान को सशक्त बनाए।

इस समिट में देशभर की 100 से अधिक आध्यात्मिक संस्थाओं के युवा प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाएं भी इसमें सहभागिता करेंगी। इसके माध्यम से युवाओं को एक ऐसा मंच मिलेगा, जहां वो अपनी आवाज को सरकार और नीति निमार्ताओं तक पहुँचा सकेंगे।

इस समिट में देश की नशे के विरुद्ध लड़ाई को मजबूत करने के लिए विभिन्न सेशन्स आयोजित किए जाएंगे। इसमें नशे की प्रवृत्ति, इसकी प्रकृति, प्रकार, पीड़ितों की जनसांख्यिकी, अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव और सरकार तथा MY Bharat के युवा स्वयंसेवकों की भूमिका जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श और चर्चा होगी। साथ ही नशे की लत से उबरने वाले युवाओं की प्रेरक कहानियां और उनके अनुभव भी साझा किए जाएंगे, ताकि अन्य युवा उनसे प्रेरणा ले सकें।

अंत में एक काशी डिक्लेरेशन जारी किया जाएगा, जो अगले पांच वर्षों के लिए नशा मुक्ति अभियान का रोडमैप होगा। इसमें यह तय किया जाएगा कि युवाओं को किस प्रकार नशे से दूर रखा जाए, नशे की गिरफ्त में आए लोगों की कैसे सहायता की जाए और पूरे देश में जागरूकता अभियान को किस तरह तेज किया जाए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हमेशा देश की अमृत पीढ़ी के सपनों का भारत बनाने की बात करते हैं। उनके विजन के अनुरूप, युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा उठाया गया यह कदम, एक समग्र और प्रभावशाली पहल का उदाहरण बनेगा। यह पहल न केवल युवाओं को नशे से दूर रखने में मदद करेगी, बल्कि उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में भी सशक्त भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगी।

देश को विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी हमारी युवा शक्ति की है। काशी में आयोजित होने वाला युवा आध्यात्मिक समिट इस लक्ष्य की दिशा में केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चेतना का प्रारंभ स्थल बनेगा। यह नशे के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी अभियान को नई दिशा और ऊर्जा देगा। साथ ही, युवाओं में नैतिक मूल्यों, सामाजिक ज़िम्मेदारी और आत्म-संयम का ऐसा भाव जागृत करेगा, जो न केवल उन्हें अपने जीवन में सार्थकता देगा, बल्कि देश को भी आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का माध्यम बनेगा। काशी की पवित्र धरती से उठने वाली यह पुकार, हर युवा के मन में जागृति और देशभक्ति का नया प्रकाश भर देगी और यही संकल्प 2047 के विकसित भारत की मजबूत नींव बनेगा।

(केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, भारत सरकार)

खनन के कारण संकट में वन्य प्राणी

राज कुमार सिन्हा

खनन के लिए गढ़चिरौली में 1.23 लाख पेड़ काटे जाएंगे...

गढ़चिरौली के आदिवासी समुदाय और नागरिक संगठन ने महाराष्ट्र और केन्द्र सरकार से मांग की है कि गढ़चिरौली में खनन संबंधी सभी मंजूरियां और गतिविधियों का रोका जाए और पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए), विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) आदि सहित पूर्ण पारिस्थितिक, जल विज्ञान और सामाजिक आकलन के साथ सभी अनुमोदनों की समीक्षा करें। वनों और बाघ गलियारे को संरक्षित क्षेत्रों के रूप में मान्यता दें और वन अधिकार अधिनियम, 2006 और पेसा कानून के तहत विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। ग्राम सभाओं का पारदर्शी जन सुनवाई के माध्यम से आदिवासी समुदायों के निर्णयों का सम्मान किया जाए।

क्या हो रहा है?

गढ़चिरौली, जहां महाराष्ट्र का 70% से ज्यादा वन क्षेत्र है, खनन संबंधी गतिविधियों के कारण विनाश के कगार पर है। यह क्षेत्र गोंड और माडिया जनजातियों जैसे अनगिनत मूलनिवासी समुदायों के लिए सांस्कृतिक और आर्थिक जीवनरेखा का काम करता है। फिर भी, ओम साईं स्टील्स एंड अलॉयज प्राइवेट लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील्स लिमिटेड, सनफ्लैग आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड जैसी बड़ी कंपनियां राजनीतिक समर्थन से इसे खनन का केंद्र बना रही है। हाल ही में, लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी को गढ़चिरौली रिजर्व फॉरेस्ट में 937 हेक्टेयर वन भूमि पर स्थित एक लाख से ज्यादा पेड़ों को काटकर लौह अयस्क प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने के प्रस्ताव के लिए पर्यावरणीय मंजूरी मिल गई है । इसका मतलब यह भी है कि भारत के सबसे महत्वपूर्ण बाघ गलियारों में से एक नष्ट हो जाएगा ।

सुरजागढ़, कोंसारी, दुगार्पुर और इंद्रावती सहित कई खनन और प्रसंस्करण परियोजनाएं चल रही हैं। हैरानी की बात यह है कि कई पर्यावरणीय स्वीकृतियां ग्राम सभा (ग्राम परिषद) से परामर्श या सहमति के बिना ही दे दी गई हैं, जो कि पेसा (अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायत विस्तार), 1996 और वन अधिकार अधिनियम, 2006, दोनों के तहत आवश्यक है।

गढ़चिरौली में 1,567 गांव हैं, जिनमें से 1,311 पेसा के अंतर्गत आते हैं। इस संरक्षण के कारण, इस क्षेत्र में खनन संबंधी गतिविधियां ग्रामीणों की सहमति के बिना नहीं हो सकती। फिर भी, स्थानीय लोगों का कहना है कि जनसुनवाई के दौरान उन्हें बहिष्कृत या धमकाया जाता है, जिससे उनकी आवाज अनसुनी हो जाती है। कोई पूर्व और सूचित सहमति नहीं होती है। बैठक और परामर्श अक्सर दूर-दराज जगहों पर आयोजित किए जाते हैं, जिससे प्रभावित ग्रामीणों के लिए उनमें शामिल होना मुश्किल हो जाता है। सुरक्षा का बहाना बनाकर, अधिकारी स्थानीय आवाजों को नजरअंदाज कर देते हैं।

सामाजिक प्रभाव

इस क्षेत्र में औद्योगिक और खनन परियोजनाएं न केवल आदिवासी समुदायों के पवित्र वनों पर अतिक्रमण कर रही हैं, बल्कि कई प्रजातियों के प्राकृतिक वन्यजीव आवासों को भी नष्ट कर रही हैं। महुआ और तेंदू संग्राहकों, निर्वाह कृषकों और वन-निर्भर समुदायों की आजीविका खतरे में है, क्योंकि वन भूमि का उपयोग बिना किसी सहमति या सुरक्षा उपायों के खनन और अन्य औद्योगिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। उनमें से कई लोगों को उनकी आजीविका के नुकसान की भरपाई के लिए आकर्षक नौकरियों का झूठा वादा किया जा रहा है, लेकिन अंततः उन्हें सुरक्षा गार्ड जैसी नौकरियों में धकेल दिया जाता है, और खनन से संबंधित श्रम कार्यों में भी लगाया जाता है।

बाहरी लोगों के आगमन के साथ, लिंग-आधारित हिंसा में चिंताजनक वृद्धि हुई है। महिलाएं उत्पीड़न में वृद्धि, अकेले बाहर निकलने में डर और अपने ही घरों, अपने गांवों में बढ़ती असुरक्षा की भावना की शिकायत करती हैं। खनन, दमन और प्रतिरोध नामक 2023 की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि उनकी सुरक्षा, स्वायत्तता और जीवनशैली धीरे-धीरे कम होती जा रही है ।

पारिस्थितिकीय परिणाम

बड़े कॉर्पोरेट संगठनों द्वारा संचालित अधिकांश खनन परियोजनाएं प्रतिपूरक वनरोपण का वादा करती हैं। वनरोपण के लिए चुने गए स्थल लगभग हमेशा प्रभावित क्षेत्रों से मीलों दूर होते हैं, जिससे कोई वास्तविक उद्देश्य पूरा नहीं होता है।

लौह अयस्क प्रसंस्करण में अयस्क के लाभकारीकरण और धूल नियंत्रण के लिए काफी मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। प्रसंस्करण के लिए पानी के अत्यधिक उपयोग से भूजल स्तर में कमी आ सकती है, जिससे पानी की कमी का खतरा बढ़ सकता है। लाखों पेड़ों को काटने से सुरक्षात्मक वनस्पति और ऊपरी मृदा नष्ट हो जाएगी, जिससे यह क्षेत्र मृदा अपरदन, मृदा क्षरण और नदियों में गाद जमा होने के प्रति संवेदनशील हो जाएगा।

लौह अयस्क खनन से नदियों में रासायनिक अपशिष्ट प्रवाहित होते हैं, जिससे मीठे पानी का रंग लाल हो जाता है और वह पीने योग्य नहीं रह जाता। संयंत्र से निकलने वाला पानी भारी मात्रा में तलछट और धातुओं को भी नदियों में ले जाता है , जिससे पानी की गुणवत्ता और भी गिर जाती है और प्रदूषण का खतरा बढ़ जाता है। इससे न केवल आस-पास रहने वाले स्थानीय आदिवासी समुदायों के स्वास्थ्य पर, बल्कि इन जल स्रोतों पर निर्भर वन्यजीवों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

ऐसा माना जाता है कि इस क्षेत्र के लोग सिलिकोसिस, निर्जलीकरण और जठरांत्र संबंधी जलन जैसी विभिन्न बीमारियों से पीड़ित हो जाएंगे। खदान के बंद होने के लंबे समय बाद भी लौह अयस्क शरीर के सामान्य द्रव नियमन में बाधा डाल सकता है।

वनों की कटाई और मृदा अपरदन के कारण नदियों में तलछट में वृद्धि होगी, जिससे गढ़चिरौली बाढ़ के प्रति और भी अधिक संवेदनशील हो जाएगा, जिससे फसलों, घरों और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचेगा।

मानव और वन्यजीव संघर्ष

गढ़चिरौली में घना जंगल का एक पारिस्थितिकी तंत्र है जो ताडोबा और इंद्रावती टाइगर रिजर्व को जोड़ता है, जो बाघों, तेंदुओं और हाथियों के लिए एक महत्वपूर्ण वन्यजीव गलियारा है।

कई खनन परियोजनाएं, जैसे कि लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी का हालिया प्रस्ताव, बाघ गलियारे के दायरे में आने के बावजूद, राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड से मंजूरी नहीं ले पा रही हैं । इस तरह के अतिक्रमण से क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा है। जब वन्यजीवों पर खतरा मंडराता है और उनके आवास छीन लिए जाते हैं, तो वह जंगलों से निकलकर रिहायशी इलाकों में आ जाते हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष का खतरा बढ़ जाता है। अकेले चंद्रपुर जिले में, मई 2025 में बाघों के हमलों में 11 से ज्यादा लोगों की जान चली गई।यह स्थिति और भी बदतर हो सकती है। क्योंकि मनुष्य जंगली आवासों पर अतिक्रमण कर रहे हैं। गढ़चिरौली में जो हो रहा है, वह आदिवासी समुदायों के सम्मान, लोकतंत्र और भविष्य पर हमला है। जंगलों का सफाया किया जा रहा है, नदियों को जहरीला किया जा रहा है और पवित्र भूमि को अपवित्र किया जा रहा है और यह सब मुनाफे के लिए हो रहा है। इसलिए आदिवासी समुदाय और नागरिक समाज क्षेत्र में खनन पर तत्काल रोक लगाने की मांग कर रहे हैं।

दूसरी ओर पर्यावरणविदों के एक समूह ने केंद्र सरकार, राजस्थान सरकार और बाघ संरक्षण प्राधिकरण से तत्काल अपील की है और अरावली पहाड़ियों में खनन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सरिस्का बाघ अभयारण्य (एसटीआर) की सीमाओं में बदलाव के प्रस्ताव पर अपनी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह निर्णय एक चिंताजनक मिसाल कायम कर सकता है और देश भर में वन्यजीव संरक्षण प्रयासों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।इस संबंध में पर्यावरण समूह पीपुल फॉर अरावली ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राजस्थान के मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) को ज्ञापन सौंपा है। सरिस्का बाघ अभयारण्य की सीमाओं को पुनः निर्धारित करने का उद्देश्य है कि कम से कम 50 संगमरमर, डोलोमाइट, चूना पत्थर और चिनाई की खदानों को फिर से अनुमति देना। जिन्हें सुप्रीम कोर्ट के पिछले आदेश के बाद बंद कर दिया गया था।

(लेखक बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ से जुड़े हैं)

वैश्विक राजनीति का परिदृश्य बदल कर रख सकता है भारत-चीन-रूस का त्रिपक्षीय मंच आरआईसी

चीन ने रूस द्वारा की गई रूस-भारत-चीन (RIC) त्रिपक्षीय सहयोग को पुनर्जीवित करने की पहल का समर्थन किया है। उल्लेखनीय है कि यह कोई नया मंच नहीं है, बल्कि 1990 के दशक के उत्तरार्ध से ही यह इन तीन देशों के बीच संवाद का माध्यम रहा है। हालाँकि, बीते वर्षों में चीन-भारत सीमा विवाद और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते यह मंच निष्क्रिय-सा हो गया था। अब चीन का समर्थन इस ओर इशारा करता है कि विश्व राजनीति में एक नई धुरी बनने की संभावना फिर से उभर रही है।

हम आपको बता दें कि रूस जहां सैन्य शक्ति, ऊर्जा संसाधन और यूरोपीय-एशियाई भू-राजनीति में प्रमुख खिलाड़ी है वहीं भारत विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था, युवा जनसंख्या और इंडो-पैसिफिक में रणनीतिक ताकत है। दूसरी ओर चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और एशिया का आर्थिक इंजन है। यदि ये तीनों देश मिलकर साझा हितों के आधार पर आगे बढ़ते हैं, तो यह पश्चिम के नेतृत्व वाली मौजूदा विश्व व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं।

अगर यह तीनों देश साथ आते हैं तो अमेरिकी वर्चस्व को सीधे-सीधे चुनौती मिलेगी। देखा जाये तो अब तक वैश्विक व्यवस्था अमेरिका और उसके सहयोगियों (G7, NATO, EU) के प्रभुत्व में रही है। यदि रूस-भारत-चीन साथ आते हैं, तो वे एक 'मल्टी-पोलर वर्ल्ड' यानी बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को मजबूती देंगे, जिसमें अमेरिका का वर्चस्व कम होगा।

इसके अलावा, ये तीनों देश संयुक्त राष्ट्र, BRICS, SCO जैसी संस्थाओं में अहम भूमिका निभाते हैं। यदि वे एक सुर में बोलें तो वैश्विक एजेंडा (जलवायु, विकास, आतंकवाद) पश्चिम के हितों के बजाय इन देशों के पक्ष में ढल सकता है। साथ ही यूरोप में रूस-यूक्रेन युद्ध, एशिया

में अमेरिका-चीन टकराव और भारत-चीन सीमा विवाद जैसे मुद्दों के बीच यदि ये तीनों मिलकर काम करते हैं, तो वैश्विक ध्रुवीकरण और तेज हो सकता है।

तीनों देशों के साथ आने से खुद भारत, रूस और चीन को क्या लाभ होगा, यदि इसका जिक्र करें तो आपको बता दें कि रूस-चीन के साथ अच्छे रिश्तों से भारत सामरिक संतुलन बना सकता है। साथ ही भारत ऊर्जा, रक्षा, टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में रूस और चीन से नए अवसर पा सकता है। इसके अलावा, इस त्रिकोण से भारत को चीन के साथ स्थायी संवाद करने से सीमा विवाद में तनाव कम करने का मंच मिलेगा।

वहीं रूस को होने वाले लाभों को देखें तो पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच उसे एशिया में नए साझेदारों के साथ आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य विकल्प मिलेंगे। साथ ही चीन-भारत दोनों को साथ रखकर रूस अपनी रणनीतिक भूमिका को पुनः मजबूत कर सकता है।

इस गठजोड़ से चीन को होने वाले लाभ को देखें तो इससे अमेरिका के खिलाफ नया संतुलन बनेगा। साथ ही भारत के साथ टकराव को कम करके चीन अपने आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों को सुरक्षित कर सकेगा और रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा के क्षेत्र में उसके गहरे संबंध बनेंगे।

तीनों देशों के गठजोड़ में संभावित बाधाओं और चुनौतियों को देखें तो भारत-चीन सीमा विवाद और विश्वास की कमी सबसे बड़ी बाधा है। इसके अलावा, यह भी डर है कि रूस-चीन की बढ़ती नजदीकी कहीं भारत को हाशिए पर न धकेल दे। साथ ही भारत पश्चिम (अमेरिका, फ्रांस, जापान) के साथ भी गहरे संबंध चाहता है, जिससे यह त्रिकोण अस्थिर रह सकता है।

हम आपको बता दें कि भारत, रूस और चीन के गठजोड़ आरआईसी को पुनर्जीवित करने में रूस और चीन की दिलचस्पी हाल ही में विदेश मंत्री एस जयशंकर के शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए बीजिंग की यात्रा करने के बाद बढ़ी है। इस दौरान, जयशंकर ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी और उनके रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव सहित शीर्ष चीनी-रूसी अधिकारियों के साथ बातचीत की थी। हम आपको याद दिला दें कि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मई महीने में कहा था कि रूस, जिसके भारत और चीन के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, आरआईसी प्रारूप को पुनर्जीवित करने में ह्यव्यवास्तव में रुचिह्न रखता है। उन्होंने कहा था कि रूस के पूर्व प्रधानमंत्री येवगेनी प्रिमाकोव की ओर से शुरू की गई त्रिपक्षीय व्यवस्था के परिणामस्वरूप तीनों देशों के बीच विभिन्न स्तरों पर 20 बैठकें हुईं थीं।

बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि रूस-भारत-चीन त्रिपक्षीय सहयोग यदि पुनर्जीवित होता है तो इससे विश्व व्यवस्था में शक्ति संतुलन बदल सकता है। साथ ही बहुध्रुवीय विश्व की अवधारणा को मजबूती मिल सकती है, लेकिन यह तभी संभव होगा जब तीनों देश अपने पारस्परिक मतभेदों को कुशलतापूर्वक संभाल सकें। भारत के लिए यह अवसर और चुनौती दोनों हैः एक ओर सामरिक विकल्पों का विस्तार है तो दूसरी ओर संतुलन की जटिल कूटनीति है।

चोरी के ट्रैक्टरो को कूटरचित दस्तावेज तैयार करके धोखाधडी से ट्रैक्टर बेचने वाले अन्तर्जनपदीय गिरोह का पुलिस ने किया खुलासा

बिहार से कन्टैनर गाडी में लाये गये विभिन्न कंपनियों के चोरी के 03 ट्रैक्टर, 03 कूट रचित नम्बर प्लैट व घटना में प्रयुक्त कन्टैनर गाडी बरामद

अमरोहा (सब का सपना):- अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के नेतृत्व में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर शक्ति सिंह के निकट पर्यवेक्षण में थाना डिडौली पुलिस द्वारा बिहार आदि राज्यों से चोरी के ट्रैक्टर लाकर फर्जी व कूटरचित दस्तावेज बनाकर धोखाधडी से ट्रैक्टर बेचने वाले अन्तर्जनपदीय गिरोह का खुलासा कर 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से बिहार मे कन्टैनर गाडी में लाये गये विभिन्न कंपनियों के 03 फर्जी ट्रैक्टर, 03 कूट रचित नम्बर प्लैट व घटना में प्रयुक्त कन्टैनर गाडी बरामद हुई है। गुरुवार रात्रि थाना डिडौली पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान एक कन्टैनर गाडी में चोरी किये हुए ट्रैक्टर होने की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए हाईवे से फतेहपुर जिवाई रोड से एक कन्टैनर गाडी से 02 अभियुक्त 1. अनमोल यादव पुत्र महेश पाल निवासी ग्राम अल्हैपुर खुर्द थाना फैजगंज बैहटा जनपद बदायूं 2. वीरेश यादव पुत्र यादराम निवासी ग्राम अल्हैपुर खुर्द थाना फैजगंज बैहटा जनपद बदायूं को गिरफ्तार किया गया। जिनकी निशानदेही पर कैन्टेनर गाडी में पीछे लोड किये हुए 03 फर्जी ट्रैक्टर (जिन पर फर्जी नम्बर प्लेट लगी है) को बरामद किया गया । गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में अभियुक्तगण के विरुद्ध थाना डिडौली पर मु0अ0सं0 327/25 धारा 318 (4) 338, 336 (3) 340(2), 317(4) बीएनएस पंजीकृत किया गया ।गिरफ्तार अभियुक्तगण ने पूछताछ में बताया कि अवैध रुप से आर्थिक लाभ लेने हेतु अपने अन्य साथियों 1. आसिम हुसैन पुत्र खर्शीद निवासी ग्राम सहसपुर अलीनगर थाना डिडौली जनपद अमरोहा 2. हसीब पुत्र मुन्नन निवासी ग्राम करनपुर डिडौली जनपद अमरोहा 3. समीर पुत्र मुन्नन निवासी ग्राम करनपुर डिडौली जनपद अमरोहा 4. दानिश पाशा पुत्र जावेद निवासी ग्राम करनपुर डिडौली जनपद अमरोहा के साथ मिलकर बिहार आदि दूसरे राज्यों से चोरी किये हुए टैक्टर लाते हैं तथा रास्ते में ट्रैक्टरों पर उ0प्र0 की फर्जी नम्बर प्लेट लगा देते हैं तथा ट्रैक्टरों के कूटरचित कागजात तैयार करके किसानों को सही बताकर बेच देते थे व कमाई को आपस में बांट लेते है। जब चोरी किये हुए ट्रैक्टर इक्ठ्ठे हो जाते हैं तो उन्हे कन्टेनर में भरकर अमरोहा ले आते है व अपने साथी आसिम हुसैन के सहयोग से टैक्टरों के फर्जी कागजात तैयार कर बेच देते हैं। ज्ञात रहे कि कन्टैनर चालक वीरेश यादव व अनमोल यादव ने बताया कि हम मुरादाबाद से बिहार के लिये नमकीन ले जाते है औड्ड उधर से हसीम व आसिम के कहने पर चोरी के ट्रैक्टर कन्टैनर मे लेकर ऐसे रास्ते से आते है इस रास्ते पर बलरामपुर, लखीमपुर होते हुए आते है जहा हमे पुलिस नही पकड पाती है औड्ड इस कार्य के लिये हमे एक बार के 50,000/- रुपयें मिलते है । ज्ञात रहे कि गिरफ्तार अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी है। जिनका एक संगठित गिरोह है तथा एक दूसरे को काफी समय से जानते है तथा अन्य राज्यों से चोरी किये हुए ट्रैक्टरों को लाकर कूटरचित दस्तावेज तैयार करने का काम काफी समय से करते आ रहे हैं। करीब 02 वर्ष पूर्व भी वांछित अभियुक्त हसीब को चोरी के ट्रैक्टर के साथ गिरफ्तार किया गया था ।

27 जुलाई 2025 को आयोजित की जाएगी उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा समीक्षा अधिकारी/ सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा 2023 दिनांक 27 जुलाई 2025 को आयोजित कराई जाएगी। उक्त परीक्षा को आयोजित कराने हेतु आयोग द्वारा निर्धारित परीक्षा केंद्र पर नियुक्त केंद्र व्यवस्था/सहायक केंद्र व्यवस्थापक की एक बैठक/ प्रशिक्षण अपर जिला अधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता गांधी सागर कलेक्ट अमरोहा में आयोजित कराया गया तथा परीक्षा केंद्र पर नियुक्त सेक्टर मजिस्ट्रेट/स्टेटिक मजिस्ट्रेट की एक बैठक/प्रशिक्षण अपर जिलाधिकारी महोदय के अध्यक्षता में 18 जुलाई 2025 को अपरा 5:00 बजे गांधी सभागार कलेक्ट अमरोहा में आयोजित कराई गई। उक्त बैठक में अपर जिला अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षा द्वारा परीक्षा केंद्र पर नियुक्त केंद्र व्यवस्थापक, सहायक केंद्र व्यवस्थापक, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट को उक्त परीक्षा को सकुशल, शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित करने हेतु उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा दिए गए निदेर्शों का कड़ाई से अनुपालन करने के निर्देश दिए गए। उक्त बैठक में अपर जिला अधिकारी, जिला विद्या निरीक्षक, उपजिलाधिकारी हसनपुर, उपजिलाधिकारी अमरोहा, उपजिलाधिकारी धनोरा, उपजिलाधिकारी नौगांव सादात, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं केंद्र पर नियुक्त समस्त केंद्र व्यवस्थापक, सहायक केंद्र व्यवस्थापक स्टेटिक मजिस्ट्रेट और सेक्टर मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे।

आदमपुर पुलिस ने 17 नफर वारंटी किए गिरफ्तार

आदमपुर/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में एवं क्षेत्राधिकारी हसनपुर दीप कुमार पंत के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक थाना आदमपुर के कुशल नेतृत्व में थाना आदमपुर पुलिस टीम द्वारा 17 नफर वारण्टी एनबीडब्ल्यू भिन्न भिन्न वाद/ परिवाद से सम्बन्धित वारंटी वारन्टी अभियुक्त 1.विमल पुत्र पीतम निवासी ग्राम सिमथला थाना आदमपुर जनपद अमरोहा 2. रामप्रकाश पुत्र तोताराम निवासी ग्राम रूपानांगल थाना आदमपुर जिला अमरोह 3. समरपाल पुत्र मगंली सिहं निवासी ग्राम लठीरा माफी थाना हसनपुर जनपद अमरोहा 58 वर्ष 4. राजपाल पुत्र मगंली सिहं निवासी ग्राम लठीरा माफी थाना हसनपुर जनपद अमरोहा -45 वर्ष 5. हरिराज पुत्र स्यौराज निवासी ग्राम ढकिया खादर थाना रहरा जनपद अमरोहा - उम्र करीब 40 वर्ष 6. लोकेश शर्मा पुत्र सोहनपाल निवासी ग्राम देहरी खादर थाना आदमपुर जनपद अमरोहा उम्र करीब 45 वर्ष 7. जसवन्त पुत्र अन्तराम निवासी ग्राम दरियापुर तुगन थाना आदमपुर जनपद अमरोहा उम्र करीब 62 वर्ष 8. शकुन्तला पत्नी जसवन्त निवासी ग्राम दरियापुर तुगन थाना आदमपुर जनपद अमरोहा उम्र करीब 60 वर्ष 9. ओमवती पत्नी प्रकाश निवासी ग्राम रूपानांगल थाना आदमपुर जनपद अमरोहा उम्र करीब 50 वर्ष 10. राजकुमार उर्फ राजीव पुत्र शिवचरन निवासी ग्राम भूबरा थाना आदमपुर जनपद अमरोहा 11. हरीशचन्द पुत्र नरेश 12. नरेश पुत्र लल्लू निवासीगण ग्राम सूबरा थाना आदमपुर जनपद अमरोहा 13. ऋषि पुत्र ब्रहम 14.कपिल पुत्र ब्रह 15. पम्पी पुत्र ब्रहम 16. विजय पुत्र खमानी 17. ब्रहम पुत्र खमानी निवासीगण ग्राम शाहबाजपुर गुर्जर थाना आदमपुर जनपद अमरोहा हाल थाना रहरा जनपद अमरोहा को गिरफ्तार कर न्यायालय जनपद अमरोहा भेजा जा रहा था।

गजरौला हसनपुर मार्ग पर स्कूल वैन और पिकअप गाड़ी की जोरदार टक्कर

हादसे में एक स्कूली बच्चे व महिला टीचर की मौत,व स्टाफ सहित दर्जनों स्कूल के बच्चे घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- गजरौला हसनपुर मार्ग पर स्कूल वैन व पिकअप गाड़ी की जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें एक स्कूली बच्चे की मौके पर मौत हो गई उधर एक महिला टीचर की इलाज के दौरान की मौत हो गई और स्कूल स्टाफ सहित दर्जनों से अधिक स्कूल के बच्चे इस हादसे में बुरी तरह से घायल हो गए। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ लग गई। उधर सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जिसने बमुश्किल स्कूली बच्चों को वन से बाहर निकाल और सीएससी में भर्ती कराया। बता दे कि यह हादसा गजरौला हसनपुर मार्ग स्थित मनौटा के पुल के निकट हुआ,जहां एक पिकअप गाड़ी और एक स्कूल की वैन की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूल वैन के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में एक स्कूली बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं वैन में सवार दर्जनों से अधिक बच्चे एवं स्कूल स्टाफ बुरी तरह से घायल हो गए। हादसा होते ही मौके पर स्थानीय लोगों और राहगीरों की भीड़ का जमावड़ा लग गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जिसने बमुश्किल वोन में फंसे बच्चों और स्कूल के स्टाफ को बाहर निकाला और आनन-फानन में हसनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया लेकिन तब तक एक स्कूली बच्चों की मौत हो चुकी थी। उधर जिला अस्पताल में उपचार के दौरान एक महिला शिक्षिका निशा ने भी दम तोड़ दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्कूल वैन में कहर इंटरनेशनल स्कूल सहतौली के 11 बच्चे तीन महिला टीचर और एक ड्राइवर सवार था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

ए के के इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य मोहम्मद आदिल अब्बासी के शिक्षा के प्रति सराहनीय प्रयास

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- उत्तर प्रदेश का एक ऐतिहासिक शहर, अपनी सांस्कृतिक और शैक्षिक विरासत के लिए जाना जाता है। इस शहर में स्थित ए के के इंटर कॉलेज शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान रखता है, और इसके पीछे एक महत्वपूर्ण योगदान है इसके प्रधानाचार्य मोहम्मद आदिल अब्बासी का। मोहम्मद आदिल अब्बासी ने अपने नेतृत्व और समर्पण के साथ कॉलेज को न केवल एक शैक्षिक संस्थान बनाया है, बल्कि इसे विद्यार्थियों के समग्र विकास का केंद्र भी बनाया है। उनके द्वारा किए जा रहे बेहतर कार्य न केवल स्थानीय स्तर पर, बल्कि पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बने हुए हैं। मोहम्मद आदिल अब्बासी ने जब से ए के के इंटर कॉलेज की बागडोर संभाली है, तब से उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यार्थियों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए कई नवाचार किए हैं। उनकी प्राथमिकता हमेशा से यह रही है कि प्रत्येक छात्र को न केवल किताबी ज्ञान मिले, बल्कि वह नैतिक मूल्यों, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ अपने जीवन में आगे बढ़े। इसके लिए उन्होंने कॉलेज में कई नई पहल शुरू की हैं, जैसे कि आधुनिक शिक्षण तकनीकों का उपयोग, डिजिटल क्लासरूम की स्थापना, और विद्यार्थियों के लिए नियमित करियर काउंसलिंग सत्र। हाल ही में, मोहम्मद आदिल अब्बासी के नेतृत्व में कॉलेज ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। उत्तर प्रदेश बोर्ड की परीक्षाओं में कॉलेज के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जिसमें कई छात्रों ने टॉप रैंक हासिल किए हैं। यह न केवल उनकी मेहनत का परिणाम है, बल्कि प्रधानाचार्य की प्रेरणा और शिक्षकों के समर्पण का भी नतीजा है। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों को नियमित प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है ताकि वे नवीनतम शिक्षण विधियों से परिचित रहें और छात्रों को बेहतर ढंग से पढ़ा सकें। मोहम्मद आदिल अब्बासी ने विशेष रूप से उन छात्रों पर ध्यान दिया है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। उनके लिए मुफ्त कोचिंग कक्षाएं, स्कॉलरशिप योजनाएं, और किताबों की व्यवस्था की गई है। ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। इसके अलावा, उन्होंने कॉलेज में खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। इन गतिविधियों ने छात्रों में आत्मविश्वास और नेतृत्व की भावना को बढ़ाया है। कालेज प्रधानाचार्य ने बताया है कि बच्चों के स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्होंने बताया है कि दिनांक 19 जुलाई 2025 को कॉलेज में बच्चों की आंखों का परीक्षण हेतु कैंप लगाया जाएगा। जिसमें डॉक्टर बच्चों की आंखों की जांच करेंगे। स्थानीय समुदाय भी उनके कार्यों की सराहना करता है। मोहम्मद आदिल अब्बासी की शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को विशेष रूप से उल्लेख किया गया। उनके नेतृत्व में कॉलेज ने न केवल शैक्षिक क्षेत्र में बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाई है। इस दौरान कॉलेज में अलंकार योजना के अंतर्गत कक्षा कक्ष में रिपेयरिंग में मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। मोहम्मद आदिल अब्बासी का मानना है कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी शक्ति है जो समाज को बदल सकती है। उनके इन प्रयासों ने अमरोहा के ए के के इंटर कॉलेज को एक आदर्श शैक्षिक संस्थान के रूप में स्थापित किया है, और उनके कार्य भविष्य में भी प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे।

अपर जिलाधिकारी राजस्व ने संभावित बाढ़ से पूर्व तैयारियों की समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) बृजेश कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में समस्त उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदारों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई। इस बैठक में जनपद में संभावित बाढ़ से पूर्व तैयारियों की समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अपर ज़िलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ब्रजेश कुमार त्रिपाठी द्वारा प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा कर और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। बाढ़ पूर्व तैयारी के संबंध में उन्होंने सभी उपजिलाधिकारीगण को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में बाढ़ की दृष्टि से संवेदनशील स्थलों की पहचान करें एवं आवश्यकतानुसार राहत व बचाव की तैयारियों को प्राथमिकता दें। बाढ़ चौकियों की क्रियाशीलता सुनिश्चित करते हुए समस्त व्यवस्थाएं समय से पूर्ण की जाएं। तहसीलों में कंट्रोल रूम की स्थापना की जाए तथा पर्याप्त मात्रा में नाव/नाविको/ गोताखोरों की व्यवस्था करना एवं उनका चिन्हीकरण करना। ARG एवं अहर की स्थिति एवं देखरेख के अंतर्गत तहसीलों में स्थापित Automatic Rain Gauge (ARG) एवं Automatic Weather Station (अहर) की कार्यशीलता की समीक्षा की गई। सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए कि संबंधित राजस्व निरीक्षकों या नामित कर्मचारियों के माध्यम से नियमित रूप से इन यंत्रों की देखरेख एवं उनकी साफ सफाई सुनिश्चित किया जाए। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या की सूचना तत्काल जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को दी जाए। आपदाओं से संबंधित घटनाओं की रिपोर्टिंग किसी भी प्रकार की आपदा जैसे भारी वर्षा, जलभराव, मकान क्षति, आकाशीय विद्युत सर्पदंश आदि से जनहानि अथवा पशुहानि आदि की सूचना तत्काल तहसील स्तर से जिला मुख्यालय को प्रेषित की जाए। इसके लिए निर्धारित आपदा रिपोर्टिंग प्रारूप का उपयोग सुनिश्चित किया जाए। ऑनलाइन राहत पोर्टल के माध्यम से भुगतान प्रक्रिया में अपर जिलाधिकारी ने यह स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी आपदा के उपरांत प्रभावितों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता की प्रक्रिया ऑनलाइन राहत पोर्टल (RAHAT) के माध्यम से की जाए। संबंधित अधिकारी सत्यापन, अनुमोदन एवं अपलोडिंग की प्रक्रिया में पारदर्शिता व शीघ्रता सुनिश्चित करें। उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आपदा प्रबंधन के संबंध में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतें तथा समस्त तैयारियां पूर्ण सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ की जाएं, जिससे जनपदवासियों की सुरक्षा और राहत कार्य समयबद्ध ढंग से संपन्न हो सके। बैठक में जनपद के आपदा विशेषज्ञ, आपदा सहायक व अन्य तहसील स्तरीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

6 वर्षों से बिछड़े युवक को रहरा पुलिस ने अपने परिजनों से मिलाया

परिवार से पिछले 6 वर्षों से बिछड़े नईम को पाकर परिजनों मैं दौड़ी खुशी की लहर, थाना रहरा पुलिस की प्रशंसा कर किया आभार व्यक्त

रहरा/अमरोहाः- जनपद के थाना रहरा क्षेत्र में एक युवक (उम्र करीब 35 वर्ष) के संदिग्ध हालत में घुमने की सूचना थाना पुलिस को प्राप्त हुई। सूचना पर थाना रहरा पुलिस द्वारा लावारिस हालत में घुम रहे युवक को पूछताछ हेतु थाना लाया गया। पूछताछ के दौरान युवक द्वारा नईम पुत्र बुन्दा निवासी ग्राम पदारथपुर थाना बिथरी चैनपुर जनपद बरेली बताया गया । C-PLAN APP के माध्यम से नईम के परिजनों का पता लगाकर उनको द्वारा उचित माध्यम से सूचना दी गई। जिसके बाद नईम के परिजन 1. बबलू पुत्र बुन्दा (बडा भाई) 2. विरासत अली पुत्र लियाकत अली (ग्राम प्रधान) 3. इन्दाज पुत्र सूबेदार 4.राजा पुत्र रफ्तार अली निवासीगण ग्राम पदारथपुर थाना बिथरी चैनपुर जनपद बरेली व 5. इरशाद पुत्र बुन्दन (बहनोई) निवासी ग्राम खुड्डा थाना भमौरा जनपद बरेली थाना रहरा पर आए। परिजनों ने बताया कि नईम करीब 06 वर्षों से घर से लापता था, जो आज मिल गया है। नईम को उसके परिजनों बबलू आदि के सकुशल सुपुर्द कर थाने से रुखसत किया गया । नईम के परिजनों द्वारा थाना रहरा जनपद अमरोहा पुलिस की भूरी भूरी प्रशंसा की गई।

जिले की ग्राम पंचायत जमनाखास में सचिवालय पर ताला: पंचायत सहायक और सचिव पर चूना लगाने का आरोप

अमरोहा (सब का सपना) आर. के.:- जिले के विकास खण्ड अमरोहा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत जमनाखास में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां पंचायत सचिवालय पर लंबे समय से ताला लटका हुआ है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पंचायत सहायक बंटी और पंचायत सचिव पूजापाल सरकार द्वारा जनता को गुमराह किया जा रहा है और सरकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक नहीं पहुंच रहा। इस स्थिति ने न केवल ग्राम पंचायत के कार्यों में बाधा डाली है, बल्कि ग्रामीणों में भी भारी असंतोष पैदा किया है। जमनाखास ग्राम पंचायत के निवासियों का कहना है कि सचिवालय, जो ग्रामीणों के लिए सरकारी योजनाओं, दस्तावेजों और अन्य प्रशासनिक कार्यों का केंद्र होना चाहिए, महीनों से बंद पड़ा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत सहायक बंटी और पंचायत सचिव पूजापाल सरकार नियमित रूप से सचिवालय में उपस्थित नहीं होते। इससे ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं जैसे मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने में भारी परेशानी हो रही है। कई ग्रामीणों ने बताया कि जब वे सचिवालय पहुंचते हैं, तो उन्हें ताला लटका हुआ मिलता है, और संबंधित कर्मचारी उपलब्ध नहीं होते। स्थानीय निवासी ने बताया, "हम कई बार सचिवालय गए, लेकिन हर बार ताला बंद मिला। बंटी और पूजापाल सरकार कभी-कभार ही गांव में दिखते हैं। हमारी समस्याओं का कोई समाधान नहीं हो रहा।" एक अन्य ग्रामीण महिला, ने कहा कि उनके परिवार ने राशन कार्ड और आवास योजना के लिए आवेदन किया था, लेकिन महीनों बाद भी कोई प्रगति नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत सहायक और सचिव की लापरवाही के कारण सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है, और योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पा रहा। इस मामले में कुछ ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि बंटी और पूजापाल सरकार द्वारा फर्जी हाजिरी और दस्तावेजों में हेराफेरी की जा रही है। ग्रामीणों का दावा है कि पंचायत सचिवालय के बंद रहने के बावजूद, कई योजनाओं के तहत कार्यों को कागजों पर पूरा दिखाया जा रहा है। इससे यह शक पैदा होता है कि सरकारी धन का गबन किया जा रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से इस मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। यह मामला न केवल स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है, बल्कि पंचायती राज व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी को भी उजागर करता है। ग्रामीणों ने मांग की है कि सचिवालय को नियमित रूप से खोला जाए और पंचायत सहायक व सचिव को उनकी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए बाध्य किया जाए। इस मामले में जिला प्रशासन की ओर से त्वरित कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है, ताकि ग्रामीणों को उनका हक मिल सके और सरकारी योजनाओं का लाभ सही लोगों तक पहुंचे।

जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने यगद नदी का किया शुभारम्भ

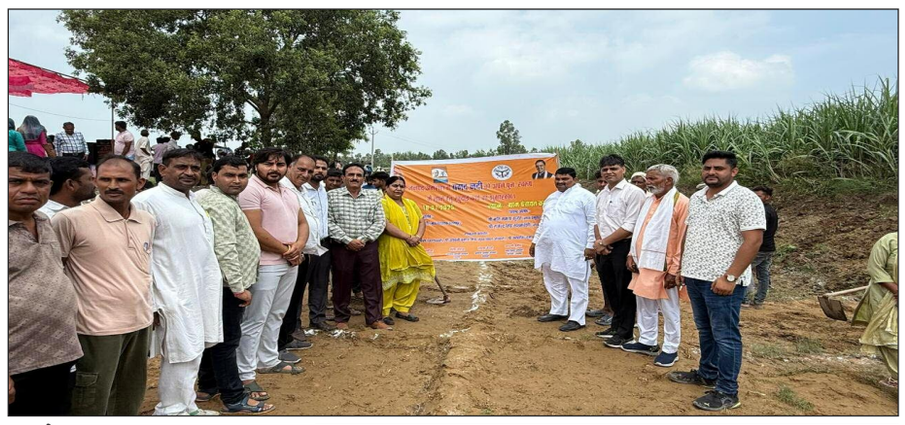

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के द्वारा दिये गये निदेशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने विकास खण्ड हसनपुर के ग्राम कनैटा में यगद नदी का शुभारम्भ कराया। यगद नदी के शुभारम्भ के शुभ अवसर पर ब्लॉक प्रमुख ममता गुर्जर, ब्लॉक प्रमुख गंगेश्वरी राजेंद्र सिंह खडगवंशी एवं परियोजना निदेशक महोदय अम्बरीश कुमार ने यगद नदी पर फावडा चलाकर शुरूआत की। इस कार्य को कराने का जिम्मा ग्राम प्रधान कनैटा नगीना के द्वारा उठाया गया। इसमें विशेष सहयोग ग्राम विकास अधिकारी कावेन्द्र सिंह एवं मनरेगा तकनीकी सहायक शंकर सिंह ने दिया। यगद नदी विकास खण्ड हसनपुर के चार ग्राम पंचायत कमशः झुण्डी माफी, पहाडपुर बक्काल, कनैटा एवं सुल्तानपुर भीमा से होते हुए विकास खण्ड गंगेश्वरी की 17 ग्राम पंचायतों में से होकर सम्भल जिले में प्रवेश करती है। विकास खण्ड हसनपुर में यगद नदी की लम्बाई 14.35 किमी० है तथा विकास खण्ड गंगेश्वरी में 41.00 किमी0 है इस प्रकार यगद नदी की दोनो विकास खण्डों में कुल लम्बाई 55.35 किमी० की दूरी तय करती है। इस अवसर पर सभी ने जल बचाने की अपील सभी ग्रामवासियों से की, साथ ही यगद नदी में खुदाई हेतु सहयोग की अपील की। इस अवसर पर परियोजना निदेशक महोदय ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ब्लॉक कर्मचारियों की प्रशंसा की साथ ही यगद नदी के कार्य को पूर्ण कराने के लिए उत्साहवर्धन भी किया। इस अवसर पर लगभग 200 लोगों ने श्रमदान भी किया। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी हसनपुर हरीश कुमार, अतिरिक्त कार्यकम अधिकारी सौरभ चौधरी सहित ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष यशपाल सिंह, ग्राम पंचायत झुण्डी माफी के ग्राम प्रधान एवं रोजगार सेवक मनोज कुमार के साथ ग्राम पंचायत सुल्तानपुर भीमा के रोजगार सेवक सुभाष कुमार एवं ग्राम पंचायत पहाडपुर बक्काल के रोजगार सेवक नसीम, विकास खण्ड हसनपुर एंव विकास खण्ड गंगेश्वरी के सभी तकनीकी सहायक, ग्राम सचिव एवं रोजगार सेवक उपस्थित रहें।

धनौरा पुलिस ने किया अन्तर्राज्यीय वाहन चोर गैंग का खुलासा

तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविंद्र सिंह:- थाना मंडी धनौरा पुलिस द्वारा अंतर्राज्यीय वाहन चोर गैंग का खुलासा करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार शातिर चोरों द्वारा चंडीगढ़, दिल्ली व उत्तराखंड आदि स्थानों से चोरी की हुई मोटरसाइकिल ,स्कूटी व अवैध असलहा बरामद किया गया। बता दें कि थाना मंडी धनौरा पुलिस ने वाहन चोर गैंग का खुलासा करते हुए तीन अन्तर्राज्यीय वाहन चोरों को गिरफ्तार कर जनपद न्यायालय भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक प्राप्त जानकारी अनुसार तीनों गिरफ्तार अभियुक्त पवन कुमार,गौरव कुमार व नौशाद चंडीगढ़ ,दिल्ली व उत्तराखंड आदि स्थानों पर चोरी करने का काम करते थे, जिनके कब्जे से एक स्कूटी सहित 08 मोटर साईकिल,02 तमंचे व 04 जिंदा कारतूस बरामद किए गए, इसके बाद पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ अपराध के संबंधित धाराओं में चालान कर जनपद न्यायालय भेज दिया।इसके अलावा एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त बिजनौर जनपद के निवासी हैं जो मोटरसाइकिल चोरी कर उन्हें अमरोहा व बिजनौर के आसपास दस से बारह हजार रुपए में बेच देते थे। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ पूर्व में भी चोरी के कई मामले दर्ज हैं। वहीं गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को एसपी की तरफ से ड्ड15000 का नगद ईनाम देकर सम्मानित किया गया है।

उप जिलाधिकारी के आवास के लिए विधि विधान पूर्वक किया गया भूमि पूजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई के द्वारा तहसील परिसर में उप जिलाधिकारी चंदौसी के आवास के लिए विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना करते हुए भूमि पूजन किया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यदायी संस्था को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण करने के निर्देश दिए । इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, अधिशासी अभियंता लोकनिर्माण विभाग सुनील प्रकाश,जिला सूचना अधिकारी बृजेश कुमार,तहसीलदार चंदौसी रवि सोनकर, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका चंदौसी धर्मराज एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला स्वच्छता समिति की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वच्छता समिति एवं जिला स्वच्छ भारत मिशन मैनेजमेंट कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण को और अधिक प्रभावशाली, पारदर्शी एवं जनसहभागिता आधारित बनाने के लिए बहुपक्षीय बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अन्तर्गत ग्राम पंचायतों को ओ०डी०एफ० प्लस मॉडल ग्राम पंचायत बनाये जाने हेतु कराये गये कार्यों जैसे आर०आर०सी० सेन्टर, वर्मी कम्पोस्ट, नाडेप कम्पोस्ट, घर-घर से कूड़ा एकत्रीकरण किया जाना, निर्मित कराये गये कूड़ा केन्द्रों को नियमित रूप से संचालित कराते हुये क्रियाशील बनाये रखना, ग्राम पंचायतों द्वारा स्वयं की आय के स्त्रोत सृजित करते हुये स्वयं की आय सृजित कर ओ०एस०आर० बैंक खाते में जमा कराना, मनरेगा के अन्तर्गत तालाबों के जीर्णोद्धार हेतु संचालित मिशन 100 के अन्तर्गत जीर्णोद्धार कराये गये तालाबों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान खण्ड विकास अधिकारियों द्वारा मनरेगा के अन्तर्गत तालाबों के जीर्णोद्धार हेतु संचालित मिशन 100 के अन्तर्गत जीर्णोद्धार कराये गये तालाबों की प्रगति तथा समस्त पंचायत सचिवों द्वारा अपनी तैनाती की एक ग्राम पंचायत को ओ०डी०एफ० प्लस मॉडल ग्राम बनाये जाने हेतु कराये गये कार्यों का प्रस्तुतीकरण जिला स्वच्छ भारत मिशन मैनेजमेंट कमेटी के समक्ष पी०पी०टी० के माध्यम से किया गया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जमीनी स्तर पर समन्वय करते हुए आरआरसी क्रेंदो के सफल संचालन हेतु निर्देशित किया। उन्हेंने ग्राम वासियों को प्रोत्साहित कर डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन में बढ़ोत्तरी लाते हुए यूजर चार्ज प्राप्त करने के निर्देश दिए। इस कार्य के लिए स्वयं समूह समूह की महिलाओं का सहयोग लेने के निर्देश दिए। सभी ग्राम पंचायतों में सुरक्षा के दृष्टिगत मुख्य चौराहों और तिराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायतों में औषधि वाटिका तैयार करते हुए उसका उद्घाटन ग्राम प्रधान से कराने की बात कही। जिन ग्राम पंचायतों में खेल के मैदान का निर्माण चल रहा है उनको यथाशीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। मिशन 100 के अंतर्गत चल रहे तालाबों के जीर्णोद्धार के कार्यों की समीक्षा करते हुए लक्ष्य को प्राप्त करने के निर्देश दिए। जहां पर तालाब की खुदाई हो चुकी है, वहां पर तालाब के किनारे एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण महाअभियान के अंतर्गत पौध रोपण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिये गये कि समस्त पंचायत सचिव अपनी तैनाती वाली समस्त ग्राम पंचायतों में स्वयं की आय के स्त्रोतों के सृजन का कार्य करें जिससे कि भविष्य में ग्राम पंचायतें अपनी स्वयं की आय से विकास कार्यों को कराने में सक्षम हो सके। ग्राम पंचायतों में स्थित लाईब्रेरी अनिवार्य रूप से संचालित होनी चाहिये। ग्राम पंचायत के प्रत्येक घर से नियमित रूप से कूड़ा एकत्रीकरण करने का कार्य नियमित रूप से होना चाहिये। स्वच्छता शुल्क अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ग्राम पंचायत की स्वयं की आय सृजित की जाये तथा उसमें प्रति मासिक 10 से 15 प्रतिशत की वृद्धि अनिवार्य रूप से की जाये। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देश दिये गये कि समस्त ग्राम पंचायतों में निर्मित समस्त परिसम्पत्तियों का उचित रखरखाव, सुरक्षा तथा नियमित क्रियाशीलता सुनिश्चित होनी चाहिये जिससे कि परिसम्पत्ति निर्माण के उद्देश्य का लाभ अधिक समय तक तथा नियमित रूप से जनमानस को प्राप्त हो सके। ब्लाक प्रमुख मीनाक्षी चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री स्वच्छता के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी ग्राम प्रधानों और पंचायत सहायकों से कहा कि वे अपने गाँवों को स्वच्छ, हरा-भरा, और विकसित बनाने के लिए मिलकर काम करें, ताकि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जी के विजन को साकार किया जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, पीडीडीआरडीए अम्बरीष कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया, ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

रसूल की मोहब्बत तकाजा ए ईनाम- मुफ्ती नाज़िर

तकरीरी प्रोग्राम में उलमाओं ने किया लोगों से खिताब

उझारी/अमरोहा (सब का सपना):- हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम से मोहब्बत सिर्फ ईमान ही नहीं बल्कि तकाजा ए ईनाम भी है। नगर के मोहल्ला सादात में तकरीरी प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसका शुभ आरंभ कारी फहीम रजा ने तिलावत ए कलाम पाक से किया। प्रोग्राम को मस्जिद नूरून नबी के इमाम और खतीब हाफिज आरिफ रजा और मदरसा बशीर उल उलूम के प्रिंसिपल कारी आबिद रजा ने भी खिताब फरमाया। मस्जिद कुरैशियान के इमाम और खतीब मुफ्ती नाज़िर रजा ने खिताब फरमाते हुए कहा कि रसूल से मोहब्बत सिर्फ ईमान ही नहीं बल्कि तकाजा ए ईमान है। उन्होंने अपनी बात को समझाते हुए बताया कि जब तक इमाम हुसैन मदीने में रहकर नमाजें अदा कर रहे थे तो वह ईमान था। लेकिन जब कर्बला के मैदान में आकर अपनी गर्दन कटा दी और नमाज को बचाया तो यह तकाजा ए ईनाम था। जब हुसैन मदीने में रहकर अपने बच्चों की परवरिश कर रहे थे, तो वह ईमान था। लेकिन जब कर्बला के मैदान में दीन को बचाने के लिए पूरे परिवार को कुर्बान कर दिया तो यह तकाजा ए ईनाम था। प्रोग्राम के बाद सलातो सलाम पढ़ा गया और मुल्क व कौम की तरक्की के लिए दुआ कराई गई। इस मौके पर खासतौर से निजामुद्दीन सैफी, हाजी रियाजुद्दीन, शहाबुद्दीन सैफी, मैराज अली, इरशाद सलमानी, हाफिज शाकिर, अलाउद्दीन सैफी, मौ० अकरम, कयामुद्दीन, नवाबुद्दीन सैफी, शाकिर मसूदी, मौ० अयान, अब्दुल कादिर, अलकमर सैफी आदि बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

जनपद की 103 ग्राम पंचायतों में बनेंगी डिजिटल लाइब्रेरी

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में डिजिटल लाइब्रेरी, पंचायत प्रतिपूर्ति प्रोत्साहन योजना और पंचायत उत्सव भवन निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की गई। जनपद की 103 ग्राम पंचायतों में डिजिटल पुस्तकालय (बाल एवं किशोर पुस्तकालय) की स्थापना की जानी है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि लाइब्रेरी की स्थापना ऐसे स्थान पर की जाए जो बच्चों के लिए सुरक्षित हो और आवागमन के लिए आसान हो। उन्होंने कहा कि जहां पर लाइब्रेरी बनेगी उन पंचायत भवनों की सुरक्षा सुनिश्चित कर ली जाए। पंचायत भवन के दरवाजे, खिड़की बाउंड्री वॉल सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं जांच कर दुरुस्त कर ली जाए। उन्होंने सभी पंचायत भवनों में सीसीटीवी लगाने की बात कही। जिलाधिकारी द्वारा सर्वप्रथम क्रय की जाने वाली किताबों हेतु कमेटी गठित की गयी है, जिसमें जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं 02 विशेष आमंत्रित सदस्य सम्मिलित हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल पुस्तकालय (बाल एवं किशोर पुस्तकालय) स्थापित किये जाने हेतु दिशा-निर्देश निर्गत किये गये हैं। जिसमें जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद की 103 ग्राम पंचायतों में डिजिटल पुस्तकालय (बाल एवं किशोर पुस्तकालय) की स्थापना प्रथम चरण में की जानी है, जिसमें विकास खंडों की ग्राम पंचायतों में डिजिटल पुस्तकालय की स्थापना की जानी है, जिस हेतु प्रति डिजिटल पुस्तकालय की स्थापना हेतु 04 लाख रुपए की धनराशि शासन से अवमुक्त की जानी है, जिसमें 02 लाख रुपए में से 01.30 लाख रुपए कम्प्यूटर (यू०पी० डेस्को के माध्यम से) आदि उपकरण हेतु तथा 70.00 हजार रुपए फर्नीचर (जैम पोर्टल के माध्यम से) के क्रय हेतु तथा शेष 02 लाख रुपए में से 90 हजार रुपए की एन०बी०टी० से किताबें क्रय की जायेंगी एवं 90 हजार रुपए की अन्य प्रकाशन की किताबें क्रय की जायेंगी तथा शेष 20 हजार रुपए से डिजिटल कन्टेन्ट पर्चेज किया जायेगा, जिसके लिये शासन से पृथक से निर्देश प्राप्त होंगे। पंचायत प्रतिपूर्ति प्रोत्साहन योजना जिलाधिकारी ने पंचायत प्रतिपूर्ति प्रोत्साहन योजना की समीक्षा करते हुए बताया कि इस योजना के इस योजना के तहत 1500 से कम आबादी वाली ग्राम पंचायतों में होने वाली आय से सरकार की ओर से पांच गुना धनराशि मिलेगी। जिसमें आरसीसी सहित अन्य कार्य सम्मिलित हैं। शासन की मंशा है जिन ग्राम पंचायत की आबादी 1500 से कम है उस ग्राम पंचायत को योजना का लाभ दिया जाए। इसके लिए उन्होंने जनपद के ऐसे सभी प्रधानों से आह्वान किया कि अपने-अपने गांव में विभिन्न स्त्रोतों से आय एकत्रित करते हुए ओएसआर अर्जित करें। जिसके बाद 05 गुना धनराशि प्राप्त होगी और ग्रामों का बेहतर विकास हो सकेगा। उन्होंने जनपद के समस्त सहायक विकास अधिकारी पंचायत को ग्राम पंचायत में समस्त प्राप्त ओ०एस०आर० को ग्राम पंचायत के ओ०एस०आर० बैंक खाते में जमा करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही जमा की गयी धनराशि की कैशबुक एवं परिसम्पत्ति रजिस्टर तैयार किए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर प्रशासनिक समिति की बैठक कर अनुमोदन भी प्राप्त किया जाये। जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि शासन के निदेशों के क्रम में पंचायत प्रतिपूर्ति प्रोत्साहन योजनान्तर्गत जनगणना वर्ष 2011 के आधार पर 1500 तक आबादी वाली जनपद की 161 ग्राम पंचायतों के लिए स्वयं के संसाधन से आय आधारित पंचायत प्रतिपूर्ति एवं प्रोत्साहन योजना के क्रियान्वय के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश निर्गत किये गये है। पंचायत प्रतिपूर्ति एवं प्रोत्साहन योजनान्तर्गत ग्राम पंचायतों को धनराशि गतवर्ष में ग्राम पंचायतों द्वारा प्राप्त ओ०एस०आर० के आधार पर आवंटित किये जाने का प्राविधान है। ओ०एस०आर० (स्वयं की संसाधन से आय) की गणना ग्राम पंचायतों द्वारा जनसेवा केन्द्र शुल्क, कूड़ा कचरा संग्रहण, खाद बिक्री, आर०आर०सी० सेन्टर से आय, जल शुल्क, तालाब के पट्टे / नीलामी इत्यादि हेतु राजस्व विभाग से प्राप्त आय, दुकानों / शॉपिंग काम्पलेक्स के किराये से प्राप्त आय, ग्राम पंचायत के अन्य संसाधनों से प्राप्त आय के अतिरिक्त पंचायत राज अधिनियम में वर्णित करों एवं शुल्क के आरोपण के आधार पर आय की गणना की जायेगी। यह आय ग्राम पंचायत के ओ०एस०आर० खाते / ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समिति के संचालन एवं अनुरक्षण निधि खाते में प्रदर्शित होनी चाहिए। खातों में प्राप्त ब्याज की भी गणना ओ०एस०आर० में की जायेगी। ग्राम पंचायत में वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्राप्त ओ० एस०आर० के आधार पर 5 गुना धनराशि शासन द्वारा सम्बन्धित ग्राम पंचायत को उपलब्ध करायी जायेगी। जिलाधिकारी द्वारा पंचायत उत्सव भवन निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया कि स्थल का परीक्षण कर उपयुक्त भूमि की उपलब्धता के सम्बन्ध में आख्या तैयार कर उपलब्ध करायें। उन्होंने कहा कि ब्लॉक प्रमुख और ग्राम प्रधान से वार्ता कर ऐसा स्थल चयन करें जहां पर आमजन को अधिक से अधिक लाभ हो। जनपद के ग्रामीण क्षेत्र की प्रत्येक विधानसभा में पंचायत उत्सव भवन निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में विस्तृत निर्देश शासन से प्राप्त हुए हैं। पंचायत उत्सव भवन की अनुमानित लागत रू0 1.41 करोड़ आंकलित की गयी है। वर्तमान वित्तीय वर्ष हेतु प्रदेश में 100 करोड़ का बजट प्राविधान हुआ है, जिससे प्रथम चरण में प्रदेश में 71 ग्रामीण विधान सभाओं में पंचायत उत्सव भवन का निर्माण कराया जाना है। पंचायत भवन उत्सव हेतु न्यूनतम 3000 वर्ग मीटर भूमि की आवश्यकता होगी। पंचायत उत्सव भवन में 01 हॉल स्टेज / मण्डप सहित (100 लोगों की क्षमता का), 03 कमरे जिसमें एक दिव्यांगजन हितैषी कमरा भूतल पर शौचालय सहित, पुरुष/महिला/दिव्यांगजन शौचालय, रसोई घर इत्यादि निर्मित किया जायेगा बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, पीडीडीआरडीए अम्बरीष कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया, ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण द्वारा पर्यावरण संरक्षण को एसबीआई की सराहनीय पहल

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- देश का प्रमुख बैंक भारतीय स्टेट बैंक समय समय अपने देशहित और सामाजिक सरोकार के कार्यों में अपना योगदान देता रहता है। इसी क्रम में पर्यावरण संरक्षण अभियान के उपलक्ष्य में देशभर में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाओं द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व गतिविधि में पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। भारतीय स्टेट बैंक क्षेत्रीय कार्यालय मुरादाबाद द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के अंतर्गत शाखाओं द्वारा "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत कुल 1500 फलदार और छायादार वृक्षों हेतु पौधारोपण अभियान चलाया गया है। भारतीय स्टेट बैंक की हसनपुर शाखा द्वारा स्थानीय विभिन्न ग्राम पंचायतों, स्कूलों आदि में वृक्षारोपण कराया गया और क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने और इनकी सुरक्षा किए जाने की पहल की गई है। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों ने भारतीय स्टेट बैंक की इस सार्थक पहल का धन्यवाद किया और भूरि भूरि प्रशंसा की है। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक श्री संतोष कुमार, मुख्य प्रबंधक नवनीत गौड़, प्रबंधक एचआर श्री मानस राय, फील्ड ऑफिसर श्री अंकित जोशी, चीफ एसोसिएट श्री मनोज कुमार अग्रवाल, धीरेंद्रपाल सिंह आदि उपस्थित रहें।

ग्राम पंचायत अखबंदपुर काफुरपुर में ग्राम चौपाल गाँव की समस्या, गाँव में समाधान का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- विकासखंड असमोली के ग्राम पंचायत अखबंदपुर काफुरपुर में जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल गाँव की समस्या,गाँव में समाधान का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों जैसे स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा कैम्प एवं शासन की योजनाओं से संबंधित स्टाल लगाए गये ताकि ग्रामीण लोग शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। सर्व प्रथम एक पेड़ माँ के नाम ,मियावाकी वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा अटल वन का विधि विधान एवं मंत्रोच्चारण द्वारा शुभारंभ किया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा हरीशंकरी वृक्षारोपण किया गया। जिला समाज कल्याण अधिकारी के द्वारा समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के विषय में बताया गया। उन्होंने पेंशन एवं मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के विषय में ग्राम चौपाल में उपस्थित लोगों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी उन्होंने बताया कि शासन द्वारा पहले लाभार्थी को 51 हजार रुपये की धनराशि प्रदान की जाती थी जिसको बढाकर अब मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थी को एक लाख रुपये की धनराशि दी जाती है। मुख्य विकास अधिकारी ने चौपाल में उपस्थित लोगों से कहा कि इस योजना का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें। उप कृषि निदेशक के द्वारा कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि तथा कृषि यंत्रीकरण एवं पीएम कुसुम योजना आदि के विषय मे बताया। जिला विकास अधिकारी ने मनरेगा, कैच दॅ रेन के विषय में जानकारी दी और उन्होंन अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण के अंतर्गत जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक ग्रामीण अपने खेत खलिहानों में ट्रेंच की खुदाई करें।

शिक्षा विभाग के द्वारा भी अपनी विभिन्न योजनाओं के विषय में भी जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपने संबोधन में कहा कि आज जो ग्राम पंचायत में मिया वाकी वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत अटल वन की शुरूआत की गयी है, उन पौधों की देखभाल ग्रामवासी करें तथा प्रण लें कि सभी पेड़ों को बड़ा करने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि यह गाँव वाद मुक्त गाँव बन सकता है।जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि आपके ग्राम में अटल वन बनाया जा रहा है।यह एक आदर्श गाँव के रूप में विकसित होगा। उन्होंने कहा कि गाँव की स्वच्छता पर सभी ग्रामवासियों को ध्यान रखना होगा। कूड़ा कचरा आर आर सी सेंटर में एकत्र किया जाए। असमोली नीति आयोग का आकांक्षात्मक ब्लॉक है यहाँ की प्रत्येक ग्राम पंचायत 50 बिन्दुओं से पूर्ण संतृप्त हो यह भी सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने ग्रामवासियों को ग्राम कुल एवं इसके महत्व के विषय में भी बताया। उन्होंने कहा कि यह ग्राम विवाद रहित गाँव बनाया जा रहा है। जिलाधिकारी ने महाराष्ट्र के ग्राम हिवरे बाजार तथा वहाँ के ग्राम प्रधान पोपट भाई पटेल के द्वारा किये गये कार्यों के विषय में बताया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा देवल ऑर्गेनिक फार्म ऐंचोडा कम्बोह में भी पौधारोपण किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी,जिला विद्यालय निरीक्षक श्यामा कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी तिनेज कुमार,जिला जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी माधवी पाण्डेय, ब्लॉक प्रमुख असमोली संतोष देवी,सीडीपीओ रचना यादव, खंड विकास अधिकारी असमोली रिजवान हुसैन एवं ग्राम प्रधान डॉ दोरेन्द्र , प्रवेश एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैग...टिफन-पानी की बोतलें: खून से लथपथ बच्चे, पास पड़ा बच्ची का शव; हादसे के बाद सामने आई हृदय विदारक तस्वीरें

अमरोहा: सड़क किनारे टूटी पानी की बोतलें... लुड़की पड़ी हैं। पास ही छिटके एक छोटे बैग से टिफन बाहर गिर चुका है... उसका ढक्कन खुला हुआ है। उसमें रखी रोटी-सब्जी बिखरी पड़ी थी। कुछ मीटर दूर स्कूल की वर्दी में लथपथ बच्चा जमीन पर लेटा है। उसके सिर से खून बह रहा है, पर वो बार-बार बोल रहा है मैम कहां हैं? सुबह-सुबह हंसते-खिलखिलाते बच्चों से भरी स्कूल वैन अब बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। यूपी के अमरोहा जिले में हसनपुर गजरौला मार्ग पर शुक्रवार की सुबह स्कूली वैन की पिकअप से टक्कर हो गई। हादसे में स्कूली वैन में सवार हसनपुर के मोहल्ला कायस्थान निवासी अनाया(6) पुत्री सत्यप्रकाश सैनी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि शिक्षिका निशा(30) की उपचार के दौरान अमरोहा में मौत हो गई। हादसे में 13 बच्चे समेत दो स्टाफ के लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी से प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया गया है। जिसमें से चार बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सीओ दीप कुमार पंत और एसडीएम पुष्कर नाथ चौधरी ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की है। मनौटा पुल के पास हुए इस हादसे ने दो परिवारों की दुनिया उजाड़ दी। एक मासूम बच्ची अनाया की जान चली गई और शिक्षिका निशा ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर चीखपुकार मच गई। वहां की तस्वीर देख अन्य लोगों की भी आंखें नम हो गई। सड़क पर बच्चों के टिफन, बैग और पानी की बोतलें बिखर गए थे। किसी के टिफन से सब्जी बिखर गई तो किसी की पानी की बोतल लुड़कती हुई पुल के किनारे पहुंच गई। कुछ बच्चे सहमे हुए जमीन पर बैठे थे, तो कुछ खून से लथपथ साथियों को देखकर फफक-फफककर रोने लगे।

जिले की ग्राम पंचायतों को स्वच्छ और साफ-सुंदर बनाने में पारुल सिसोदिया ने बहा दिया पसीना

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- उत्तर प्रदेश का अमरोहा जिला एक ऐसा क्षेत्र है, जो अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के साथ-साथ अब स्वच्छता के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बना रहा है। इस उपलब्धि के पीछे जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) पारुल सिसोदिया की अथक मेहनत और समर्पण है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत अमरोहा की ग्राम पंचायतों को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल बनाने में पारुल सिसोदिया ने दिन-रात एक कर दिया। उनकी प्रेरणा और नेतृत्व ने जिले की ग्राम पंचायतों को स्वच्छता के मामले में न केवल राज्य बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाई है। पारुल सिसोदिया ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत अमरोहा की ग्राम पंचायतों में स्वच्छता के लिए एक व्यापक और व्यवस्थित रणनीति अपनाई। उनकी अगुवाई में जिले की द्योटी ग्राम पंचायत ने स्वच्छता के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किया, जिसके लिए इसे मुख्यमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस ग्राम पंचायत ने स्वच्छता सर्वेक्षण में राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी जगह बनाई। पारुल सिसोदिया ने ग्राम प्रधानों और स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर एक ऐसी व्यवस्था बनाई, जिसमें कचरा प्रबंधन, शौचालय निर्माण और जल संरक्षण जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी गई। उनके नेतृत्व में द्योटी ग्राम पंचायत ने कचरा प्रबंधन के लिए ई-रिक्शा की व्यवस्था की, जिसके माध्यम से हर घर से कचरा एकत्र किया जाता है। कचरा संग्रह केंद्र बनाए गए, जहां प्लास्टिक और अन्य कचरे की छंटाई की जाती है। इस प्रक्रिया ने न केवल गांव को साफ-सुंदर बनाया, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा किए। पारुल सिसोदिया ने ग्रामीणों के बीच स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए कई अभियान चलाए। इन अभियानों में स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों और पंचायत भवनों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों और महिलाओं को विशेष रूप से शामिल किया गया। पारुल सिसोदिया का मानना है कि स्वच्छता केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे जन-जन की आदत बनाना जरूरी है। उन्होंने ग्रामीणों को प्रेरित किया कि वे अपने घरों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों को साफ रखें। इसके लिए उन्होंने ग्राम पंचायतों में नियमित सफाई अभियान चलाए और नालियों की सफाई, सड़कों की मरम्मत और पेड़-पौधों के रोपण जैसे कार्यों को बढ़ावा दिया। उनकी इस पहल का परिणाम यह रहा कि अमरोहा जिला स्वच्छता के मामले में उत्तर प्रदेश में पांचवें स्थान पर पहुंच गया। पारुल सिसोदिया की मेहनत का एक और महत्वपूर्ण पहलू है शौचालय निर्माण को बढ़ावा देना। स्वच्छ भारत मिशन के तहत उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि प्रत्येक घर में शौचालय हो और लोग खुले में शौच न करें। इसके लिए उन्होंने ग्रामीणों को जागरूक करने के साथ-साथ सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में उनकी मदद की। उनकी इस पहल ने न केवल स्वच्छता को बढ़ावा दिया, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया। पारुल सिसोदिया की मेहनत और लगन ने अमरोहा की ग्राम पंचायतों को स्वच्छता के क्षेत्र में एक मिसाल बनाया है। उनके प्रयासों से न केवल गांवों की सूरत बदली है, बल्कि ग्रामीणों के जीवन स्तर में भी सुधार हुआ है। उनकी यह उपलब्धि अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रही है।

अमरोहा में खाद्य विभाग व पालिका के अधिकारियों ने मीट की दुकान को किया सील

श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत खाद्य सुरक्षा,औषधि प्रशासन विभाग एवं पालिका अधिकारियों ने पुलिस बल के साथ मीट की दुकान को किया सील

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में कावड़ यात्रा के दौरान खुल रही मीट की दुकान को खाद्य विभाग, औषधि प्रशासन एवं पालिका अधिकारियों ने पुलिस बल को साथ लेकर सील कर दिया बता दें कि शुक्रवार को अमरोहा में श्रावण मास में चल रही कावड़ यात्रा को दृष्टिगत रखते हुए नगर के बिजनौर रोड पर लकड़ा चौराहा से धनोरा रोड पर स्थित मांस की दुकान को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन एवं पालिका अधिकारियों ने पुलिस बल को साथ लेकर सील कर दिया। प्राप्त जानकारी अनुसार प्रशासन को यह सूचना प्राप्त हुई कि धनौरा नगर के लकड़ा चौराहा के समीप धनौरा रोड पर एक दुकानदार द्वारा मांस की बिक्री की जा रही है।उल्लेखनीय है कि लकड़ा चौराहा मार्ग कावड़ यात्रा मार्ग है,इस मार्ग पर बड़ी संख्या में कावड़ श्रद्धालुओं का आवागमन सुचारू रहता है सूचना मिलते ही नगर पालिका परिषद अमरोहा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा पुलिस बल के साथ छापेमारी की गई। इसके दौरान मौके पर मास की बिक्री होती पाई गई एवं मौके से मांस को बरामद कर पालिका द्वारा ट्रैन्चिंग ग्राउंड में ले जाकर नष्ट कराया गया। इस कार्यवाही में खाद्य सुरक्षा औषधि प्रशासन विभाग पुलिस बल के साथ पालिका टीम भी मौके पर उपस्थित रही। पालिका अधिशासी अधिकारी द्वारा अधिनस्थ स्टाफ को आदेश जारी किए गए हैं कि श्रावण मास के अंतर्गत निरंतर जांच कर यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि पालिका द्वारा जारी किए जाने वाले मीट लाइसेंस अनापत्ति प्राप्त दुकानदार नियम अनुसार निर्धारित नियम व शर्तों का अनुपालन कर रहे हैं अथवा नहीं। यदि ऐसा नहीं पाया जाता है तो अनुपालन भंग करने वाले किसी भी व्यक्ति पर आवश्यक कार्यवाही करनी सुनिश्चित की जाएगी।

महिला के साथ मार-पिटाई की विडियो वायरल, आरोपी गिरफतार

हापुड़ (सब का सपना):- जनपद के नगर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए महिला से मारपीट/अभद्रता करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी जितेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना हापुड़ नगर उपनिरीक्षक बालेन्द्र सिंह कांस्टेबल मनोज कुमार थाना हापुड नगर जनपद हापुड द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए महिला से मारपीट/अभद्रता करने वाले अभियुक्त अमन पुत्र बबला सिंह निवासी आदर्शनगर कालोनी दस्तोई रोड थाना हापुड नगर जपनद हापुड को आदर्शनगर कालोनी से गिरफ्तार किया गया है। खबर लिखे जाने तक अभियुक्त पर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही थी।

भाकियू (टिकैत गुट) के मेरठ मंडल यूथ अध्यक्ष ने उप जिला अधिकारी को छह बिंदुओं पर सोपा ज्ञापन

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना) भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के मेरठ मंडल यूथ अध्यक्ष जीते चौहान ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ गढ़मुक्तेश्वर के उप जिलाधिकारी को नगर पालिका के भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए छह बिंदुओं पर ज्ञापन सौंप कर जांच करने की मांग की है। वहीं उन्होंने कहा है कि यदि ऐसा नहीं होता है तो वह आरटीआई लगाकर गढ़मुक्तेश्वर नगर पालिका की जांच कराने का कार्य करेंगे। इस दौरान उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से निम्न बिंदुओं पर जांच करने की मांग की है। जैसा की आपको ज्ञात है सावन का महीना चल रहा है और इस महीने में हमेशा की भांति कावड़ यात्रा जनपद हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर, ब्रजघाट एवं अन्य जगहों से बड़ी संख्या में निकलती है। लेकिन नगर पालिका द्वारा ना तो कांवड़ यात्रा में आने वाले मार्गों पर कोई साफ सफाई कराई गई। कई जगहों पर जल भराव होने के कारण विद्युत करंट उतरने का भी खतरा बना हुआ है अगर कोई घटना घटित हो जाती है तो इसकी जिम्मेदारी नगर पालिका के उच्च अधिकारियों की होगी। गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में कुछ ऐसी नई आबादी हैं जिनमें पानी की टंकी के कनेक्शन तो हो गए लेकिन अभी तक टंकियां में पानी नहीं पहुंच पाया जो दशार्ता है कि कमीशन खोरी हो चुकी है पैसा ठेकेदारों को खाते में पहुंच गया पानी राम भरोसे पहुंचे या ना पहुंचे। आबादी के अंदर गली मोहल्ले में कूड़ा करकट गंदगी का अंबार लगा हुआ है जिससे इस मौसम में संक्रामक बीमारी फैलने के आशंका बनी हुई है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार भी साफ सफाई पर विशेष ध्यान दे रही हैं लेकिन इस नगर पालिका में इस तरफ बिल्कुल भी ध्यान नहीं जो पैसा सरकार से नगर पालिका को मिल रहा है वह कहां लग रहा है इसकी भी जांच हो। शहर के अंदर नालों की साफ सफाई के नाम पर केवल फॉर्मेलिटी की गई अच्छी तरीके से किसी भी नाले की साफ सफाई नहीं की गई ज्ञात रहे पिछले वर्ष की भांति जो एक बच्चा नाले में बह गया था ऐसी कोई घटना ना हो अगर कोई ऐसी दुर्घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी नगर पालिका के उच्च अधिकारियों की होगी इसलिए जल्द से जल्द नालों की अच्छे तरीके से साफ सफाई कराई जाए। ब्रजघाट तार गली में बरसों बाद भी आज तक पानी का निकास नहीं जबकि वहां पर दर्जनों दुकानें नगर पालिका की है जो किराए पर दी हुई है लेकिन सुविधा के नाम पर नगर पालिका की तरफ से ठेंगा दिखाया जाता है। जबकि वहां से हजारों की संख्या में कांवड़िए जल भर कर निकलते हैं जो पैसा सरकार की तरफ से ब्रजघाट सौंदर्यकरण के लिए मिल रहा है आखिर वह लगा कहां रहा है इसकी भी जांच हो। दिनांक 25-5-2025 को एक पत्र नगर पालिका को दिया गया था जिसमें बलवापुर से पसवाड़ा मार्ग दूरी 1500 मी० पर हर साल की भांति लगने वाले भंडारे में एक स्वचालित बाथरूम की आवश्यकता होती है जो हर साल नगर पालिका मुहैया कराती है लेकिन इस बार नगर पालिका अध्यक्ष एवं नगर पालिका ईओ ने यह कहकर मना कर दिया कि वह नगर पालिका क्षेत्र में नहीं है। दुर्भाग्य की बात तो यह है कि जहां केंद्र एवं प्रदेश सरकार कांवड़ यात्रा में तरह-तरह की सुविधा उपलब्ध करा रही है वहां पर नगर पालिका गढ़मुक्तेश्वर पूरी तरीके से फैलियर साबित हुई है जबकि गढ़मुक्तेश्वर ब्रजघाट को मिनी हरिद्वार की तर्ज पर पैसा मुहैया कराया जा रहा है। जो पैसा ब्रजघाट तीर्थ नगरी को सरकार द्वारा मुहैया कराया जा रहा है उसे पैसे की नगर पालिका द्वारा मोटी कमीशन खोरी की जा रही है। तीर्थ नगरी मिनी हरिद्वार सौंदर्य करण के नाम पर के नाम पर पैसे का दुरुपयोग किया जा रहा है। इस नगर पालिका की उच्च अधिकारियों द्वारा जांच कराई जाए। अन्यथा कांवड़ यात्रा के पश्चात भारतीय किसान यूनियन नगर पालिका के खिलाफ आरटीआई डालकर जांच के साथ-साथ धरना प्रदर्शन करने के लिए विवश होगी। ज्ञापन सपना के दौरान अजब सिंह, गजब सिंह, निर्देश चौहान, सत्येंद्र, सुभाष चौहान, चंद्रवीर चौहान, राजू चौहान, दिनेश त्यागी, संसार सिंह, हिमांशु, विजय, ललित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीएम के दरबार में रखेंगे ठेकेदार और चालक की मौत के खुलासे की मांग

गजरौला। सिंचाई विभाग के ठेकेदार देव ऋषि उर्फ दीपक व उनके चालक इंद्रपाल की मौत का खुलासा न होने पर परिजनों में नाराजगी है। उनका कहना है कि वह मुख्यमंत्री के दरबार में खुलासे की मांग उठाएंगे। विधान परिषद में मुद्दा उठवाने के लिए दो एमएलसी से बात कर रहे हैं। बृहस्पतिवार सुबह शुक्लपुरी मोहल्ला निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक अतरपाल सिंह ने सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल किया। इसमें पुलिस से बेटे व चालक की मौत के खुलासे की मांग की। उन्होंने कहा कि उनके बेटे देव ऋषि उर्फ दीपक व उनके चालक इंद्रपाल निवासी चौबारा के शव 29 मई की सुबह अवंतिका नगर स्थित कार्यालय के बरामदे में मिला था। कार्यालय उनके बेटे का था। बेटे सिंचाई विभाग में ठेकेदारी करते थे। उनका आरोप है कि बेटे व चालक की हत्या की गई। घटना से छह दिन पूर्व एक युवक के चाचा से उनके बेटे का लग्न रिश्ते में विवाद हुआ था। युवक भी उनकी गाड़ी चलाता था। युवक व उसके चाचा ने उनके बेटे व चालक इंद्रपाल की मौत की साजिश रची। घटना को 50 दिन बीत गए। मगर पुलिस ने खुलासा नहीं किया गया। पुलिस बिसरा रिपोर्ट न आने की बात कह टाल रही है। पुलिस ने उस युवक और उसके चाचा को बुलाकर पूछताछ नहीं की। जबकि उनका आरोप है कि चाचा-भतीजे के पेट में मौत का राज छिपा है। पुलिस ने जल्द खुलासा नहीं किया तो परिवार मुख्यमंत्री के दरबार में पेश होकर खुलासे की मांग रखेगा। दीपक की बहन हेमलता, मां चंद्रकिरण, पत्नी रेखा रानी ने कहा कि अब परिवार चुप नहीं बैठेगा। विधान परिषद में उठवाएंगे खुलासे का मुद्दा गजरौला। सेवानिवृत्त शिक्षक अतरपाल सिंह ने कहा कि वह शिक्षक संगठन में चेतनारायण गुट से जुड़े हैं। एमएलसी चेतनारायण सिंह व राज बहादुर सिंह चंदेल से उनके अच्छे संबंध हैं। बेटे व चालक की मौत के खुलासे की मांग रखेंगे। कहेंगे कि इस मुद्दे को विधान परिषद में उठाएं। जिससे पुलिस जल्द से जल्द खुलासा करने के लिए मजबूर हो। संवाद

डीएम की अध्यक्षता में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक हुई आयोजित

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि, मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी अयोध्या मंडल अनिमेष सक्सेना सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में जनपद में खेलों को किस प्रकार बढ़ाया जाए तथा जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति के कोष में बजट की उपलब्धता, गरीब खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, आर्थिक सहायता, खेलकिट आदि प्रदान किए जाने, ग्रामीण स्तर के मिनी स्टेडियमों को सुदृढ़ीकरण किए जाने तथा खिलाड़ियों को एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराए जाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में खेलकूद को प्रोत्साहित करने के लिए क्या-क्या कार्य किए जा सकते हैं इस पर रणनीति बनाकर कार्य करना होगा, कई बच्चे अपने घर से पैसा लगाकर बहुत अच्छी तैयारी कर रहे हैं किंतु उन्हें सही प्लेटफॉर्म नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा

कि ऐसे बच्चों को चिन्हित कर उन्हें प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जाए। सरकार द्वारा खेल को लेकर कई योजनाएं चलाई गई है जिसको धरातल पर उतराने की आवश्यकता है, जिससे खिलाड़ियों को बेहतर प्लेटफार्म मिल सके और वह अपने हुनर का बेहतर प्रदर्शन करते हुए प्रदेश स्तर, राष्ट्रीय स्तर व अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहरा सके। खेलो इंडिया के अंतर्गत सरकार ने बहुत सारे कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर के मिनी स्टेडियम का सुदृढ़ीकरण कराते हुए वहां पर खेल सामग्री उपलब्ध कराई जाए जिससे ग्रामीण स्तर के बच्चों को एक प्लेटफार्म मिल सके। बैठक में अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी शूटर रुचि सिंह द्वारा जनपद में शूटिंग रेंज बनाए जाने की मांग की गई, जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में शूटिंग रेंज बनाने पर कार्य किया जाएगा। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व जिला विद्यालय निरीक्षक को विद्यालयों में खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित कराने के निर्देश दिए जिस पर बीएसए ने बताया कि नवंबर माह में जनपद स्तर पर खेलकूद प्रतियोगिता का वृहद स्तर पर आयोजन कराया जाएगा इससे पूर्व न्याय पंचायत स्तर पर, ब्लॉक स्तर पर तथा तहसील स्तर पर खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने भव्य तरीके से खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित कराने के निर्देश दिए तथा इसका व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार भी कराने को कहा। जिससे ग्रामीणांचल स्तर के बच्चों में खेलकूद को लेकर जागरूकता पैदा हो सके। बैठक में उक्त के अतिरिक्त प्रभागीय वनाधिकारी रणबीर मिश्र, जिला आबकारी अधिकारी अखिलेश आर्य, उपक्रीड़ाधिकारी मोहम्मद शमीम व मुशर्रफ खां, जिला व्यायाम शिक्षक संदीप सिंह, मंडल हैंडबॉल सचिव/निदेशक जिला क्रिकेट संघ प्रांजल तिवारी, उपाध्यक्ष जिला क्रिकेट संघ मुकेश यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बगैर मान्यता प्राप्त स्कूलों परकार्यवाही शुर, बीएसए ने दिए ताला लगाने के निर्देश-

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- जिले में लंबे समय से संचालित हो रहे गैर मान्यता प्राप्त 75 निजी स्कूलों पर अब शिक्षा विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) संजय तिवारी ने स्पष्ट किया है कि यदि स्कूल संचालकों द्वारा स्वयं स्कूलों को बंद नहीं किया गया, तो विभागीय अभियान चलाकर स्कूलों में ताले लगाए जाएंगे। दरअसल, विभागीय जांच में सामने आया कि जिले में 75 ऐसे विद्यालय चल रहे हैं जो किसी भी प्रकार की मान्यता प्राप्त नहीं हैं। पहले खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) द्वारा इन स्कूलों को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन स्कूल संचालकों ने इसे नजरअंदाज करते हुए संचालन जारी रखा। अब बीएसए ने भी सख्त रुख अपनाते हुए सभी अवैध स्कूलों को अंतिम नोटिस जारी कर बंद करने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा, यदि स्कूल संचालक स्वेच्छा से स्कूल नहीं बंद करते हैं, तो विभाग स्वयं अभियान चलाकर सभी विद्यालयों में ताला लगाएगा। किसी भी सूरत में अवैध शिक्षण संस्थानों को संचालित नहीं होने दिया जाएगा। यह कार्रवाई शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रही है।

स्कूल बंदी के खिलाफ बच्चों संग सपा नेता का प्रदर्शन

छात्र-छात्राओं के हाथ में तख्ती, लिखा था हमें चाहिए पाठशाला नहीं चाहिए मधुशाला

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- जनपद में शुक्रवार समय सुबह 10:30 बजे भादर ब्लॉक के खाझा ग्रामसभा स्थित भोजई का पुरवा में मर्ज किए गए प्राथमिक विद्यालय की बहाली की मांग को लेकर समाजवादी पार्टी नेता जय सिंह प्रताप यादव के नेतृत्व में शुक्रवार को जोरदार प्रदर्शन हुआ। खास बात यह रही कि स्कूली बच्चे भी हाथों में तख्तियां लेकर सड़कों पर उतर आए। बच्चों की तख्तियों पर लिखा था हमें चाहिए पाठशाला, नहीं चाहिए मधुशाला" प्रदर्शन के दौरान सपा नेता ने बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा,"गांव-

गांव की पाठशालाएं बंद की जा रही हैं, जिससे गरीब, दलित और पिछड़े तबके के बच्चों का भविष्य अंधकार में डाला जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्कूल की बहाली जल्द नहीं हुई, तो आंदोलन और उग्र होगा।

नवजात शिशुओं को वितरित किया जा रहा कीड़ों वाला पौष्टिक आहार, लाभार्थी नाराज

भेटुआ/अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- विकासखंड के मनीरामपुर ग्रामसभा अंतर्गत मुसवापुर निवासी राम बहादुर गुप्ता की बेटियां आरोही और श्रेया जब आंगनबाड़ी केंद्र पर नवजातों को मिलने वाले सरकारी पोषण आहार के लिए पहुँचीं, तो उन्हें केंद्र प्रभारी द्वारा एक थैले में दोनों बच्चों का राशन सौंप दिया गया। हालांकि, जब लाभार्थी ने राशन घर लाकर जांचा, तो दाल के पैकेट में घुन और रेंगते हुए कीड़े पाए गए। यह देखकर परिजनों में रोष फैल गया और उन्होंने तुरंत इसकी शिकायत सीडीपीओ प्रभारी भेटुआ जया कुमारी से की। शिकायत पर सीडीपीओ ने राशन

वापस लेने की बात कही। जिला कार्यक्रम अधिकारी (DPO) संतोष श्रीवास्तव ने इस संबंध में जानकारी मिलने की पुष्टि करते हुए कहा कि इसकी सूचना अभी मिली है। मैं स्वयं मामले की जांच कराता हूं और खराब राशन को वापस कराकर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया है कि जब नवजातों के लिए वितरित किया जा रहा पोषण आहार ही दूषित और कीड़ों वाला होगा, तो शिशुओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी? इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है।

डीएम की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन आज तहसील मुसाफिरखाना में

अमेठी(सब का सपना):- जनपद स्तरीय ह्यसम्पूर्ण समाधान दिवस जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में आज मुसाफिरखाना तहसील में आयोजित होगा एवं तिलोई तहसील में मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, गौरीगंज तहसील में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता तथा अमेठी तहसील में अपर जिलाधिकारी न्यायिक अनिल चतुर्वेदी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित होगा।

पुलिस ने डी0पी0 एक्ट में तीन को किया गिरफ्तार

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अखिलेश वर्मा के कुशल नेतृत्व में थाना मुंशीगंज पुलिस द्वारा तलाश वांछित देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0 84/25 धारा 85, 80(2) बीएनएस व श डी0पी0 एक्ट थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी में 03 नफर वांछित अभियुक्त/अभियुक्ता 1.आदित्य कुमार चौरसिया पुत्र राम किशोर चौरसिया उम्र करीब 48 वर्ष, 2.राम किशोर चौरसिया पुत्र स्व0 गंगाराम चौरसिया उम्र करीब 52 वर्ष, 3.उर्मिला पत्नी रामकिशोर चौरसिया उम्र करीब 48 वर्ष निवासीगण दूबेपुर मजरे कनकसिंहपुर थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी हाल पता ग्राम सोरांव थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी को गिरफ्तार किया गया । खबर लेकर जाने तक गिरफ्तारी के संबन्ध में थाना मुंशीगंज पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही थी।

आवारा जानवर से टकराई बाइक, भाजयुमो के जिला उपाध्यक्ष की मौत

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) अमेठी के जिला उपाध्यक्ष राहुल दुबे का बुधवार देर रात 10 बजे एक सड़क हादसे में आकस्मिक निधन हो गया। अमेठी बाईपास पर बाइक से जाते समय उनकी टक्कर एक छुट्टा सांड़ से हो गई थी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाने पर इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। मूल रूप से भुसियावां गांव निवासी राहुल दुबे मात्र 27 वर्ष के थे। प्रभारी निरीक्षक अमेठी रवि सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और आवश्यक विधिक

कार्यवाही की जा रही है। इस दुखद घटना से जिले में शोक की लहर दौड़ गई है। भाजयुमो जिलाध्यक्ष विषु मिश्रा ने बताया कि वह संगठन के कर्मठ और जुझारू कार्यकर्ता थे। भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि, वरिष्ठ नेता अमरेंद्र सिंह पिंटू व प्रवक्ता चंद्रमौलि सिंह महेश सोनी ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन की जो छती हुई है उसकी भरपाई नहीं की जा सकती।

अंडरपास में भरा पानी... जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक पार कर रहे नौनिहाल, हादसे का बना रहता खतरा

अमेठी: यूपी के अमेठी में निहालगढ़ रेलवे स्टेशन के पास पालपुर के पूरे भगवानदीन के निकट बने अंडरपास में पानी भर जाने से ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर स्कूली बच्चों और महिलाओं को रोजाना जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक पार करना पड़ रहा है। क्षेत्र में पिछले 48 घंटे से बारिश नहीं हुई, फिर भी अंडरपास में भरा पानी नहीं निकाला गया। इसके चलते आवागमन बाधित है। अंडरपास से होकर निहालगढ़ की ओर जाने वाले छह गांवों के लोग रोजाना इस रास्ते का उपयोग करते हैं। जलभराव के कारण लोगों को ट्रैक के ऊपर से ही गुजरना पड़ रहा है। कभी-कभी दोनों ट्रैक पर एक साथ ट्रेन आ जाती है स्थानीय निवासी रामवृक्ष यादव बताते हैं कि अंडरपास में जलनिकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। स्कूली बच्चों को रोज स्कूल आने-जाने के लिए ट्रैक पार करना पड़ता है। ट्रेन की धीमी रफ्तार और आवाज कम होने से दूर से आहट नहीं मिलती। कई बार ट्रेन पास आ जाती है और लोगों को पता ही नहीं चलता। इससे हादसे का खतरा बना रहता है। अभिभावक बिंदु देवी कहती हैं कि बच्चों को अकेले स्कूल भेजने में डर लगता है। रेलवे ट्रैक पर कभी-कभी दोनों ट्रैक पर एक साथ ट्रेन पहुंच जाती है। बच्चों की पढ़ाई भी जरूरी, जान की हिफाजत भी जगदीशपुर के पालपुर प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक करन सिंह का कहना है कि बच्चे रोज जोखिम उठाकर स्कूल पहुंचते हैं। एक तरफ शिक्षा का उजाला है, दूसरी तरफ जिंदगी का खतरा। यह हालात लंबे समय से बने हैं, लेकिन समाधान अब तक नहीं हुआ। अंडरपास की सफाई या वैकल्पिक रास्ते की मांग को अनसुना नहीं किया जाना चाहिए। प्रशासन को बच्चों की सुरक्षा प्राथमिकता में रखनी चाहिए।

शकरपुर मास्टर ब्लॉक में सीवर ओवरफ्लो से जीना मुहाल, गलियों में हर समय बह रही गंदगी

पूर्वी दिल्ली। शकरपुर मास्टर ब्लॉक की गलियों में सीवर ओवरफ्लो होने से गंदा पानी बह रहा है। बदबू लोगों को परेशान कर रही है। बीमारियां फैलने का खतरा लोगों को सता रहा है। लोगों का आरोप है कि डेढ़ माह से अधिक समय से यह समस्या लगातार बनी हुई है। दिल्ली जल बोर्ड शिकायत करने पर स्थायी समाधान नहीं कर रहा। ज्यादा जोर देते हैं तो जेटिंग मशीन से सीवर साफ कराए जाते हैं, जोकि प्रभावी साबित नहीं होता। मैनहोल से पानी बाहर आता रहा शकरपुर के इस हिस्से में गलियों में सीवर ओवरफ्लो होने के कारण मैनहोल से पानी बाहर आता रहता है। उसके साथ गंदगी भी आती है। वाहनों के निकलने पर गंदे पानी की छींट लोगों पर पड़ती है। यहां के लोग कहीं आते-जाते हैं तो सीवर से निकली गंदगी जूते-चप्पलों के जरिये उनके घर तक पहुंच जाती है। बच्चे घरों में कैद होने को मजबूर सीवर ओवरफ्लो की समस्या के कारण यहां बच्चे घरों के बाहर खेल नहीं पाते। लोगों ने बताया कि सीवर से जिस तरह की गंदगी निकल रही है, उससे संक्रामक रोग होने का खतरा है। कई बार तो सीवर ओवरफ्लो की वजह से पानी भी दूषित हो जाता है। और सीवर लाइन क्षतिग्रस्त हो गई दिल्ली जल बोर्ड और क्षेत्रीय विधायक अभय वर्मा ने बताया कि कुछ वक्त पहले पीएनजी पाइपलाइन डालने के लिए खोदाई करते वक्त आइजीएल से इस क्षेत्र की सीवर लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिस कारण रुकावट होने से यह समस्या हो रही है। साथ ही, बताया कि जल्द क्षतिग्रस्त हिस्से में नई पाइपलाइन डालकर समस्या को दूर किया जाएगा।

दिल्ली में लंबी दूरी के साथ ही लोकल ट्रेनें भी लेट, यात्री परेशान; देखें पूरी लिस्ट

नई दिल्ली। एक दिन की राहत के बाद शुक्रवार को दिल्ली आने वाली लंबी दूरी के साथ ही कई लोकल ट्रेनें विलंब से चल रही हैं। देरी से गंतव्य पर पहुंचने के कारण कई ट्रेनों की वापसी दिशा में प्रस्थान समय में बदलाव करना पड़ा है। दोपहर 1.35 पर चलने वाली आनंद विहार टर्मिनल-दानापुर जनसाधारण एक्सप्रेस 7.25 घंटे के विलंब से रात नौ बजे चलेगी। दोपहर 1.25 बजे चलने वाली आनंद विहार टर्मिनल मऊ एक्सप्रेस सवा तीन घंटे के विलंब से शाम 4.40 बजे और सुबह सवा पांच बजे चलने वाली आनंद विहार टर्मिनल-सहरसा विशेष (05580) पौने सात घंटे के विलंब

से दोपहर 12 बजे और चलेगी। दोपहर 12.15 बजे चलने वाली नई दिल्ली-दरभंगा हमसफर विशेष (02570) 2.55 घंटे के विलंब से अपराह्न 3.10 बजे और दोपहर 12.53 बजे चलने वाली हजरत निजामुद्दीन-जबलपुर महाकौशल एक्सप्रेस2.52 घंटे के विलंब से शाम पौने चार बजे रवाना होगी। कई लोकल ट्रेनें भी विलंब से चल रही हैं। दनकौर-शकूरबस्ती ईएमयू व बुलंदशहर-तिलक ब्रिज एमईएमयू सवा घंटे, भिवानी-तिलकब्रिज एक्सप्रेस एक घंटे के विलंब से चल रही हैं। पानीपत-नई दिल्ली महिला ईएमयू, कुरुक्षेत्र-हजरत निजामुद्दीन एमईएमयू सहित कई अन्य लोकल ट्रेनें 15 मिनट से लेकर आधे घंटे के विलंब से चल रही हैं। देरी से दिल्ली पहुचंने वाली मुख्य ट्रेनें:- दरभंगा-नई दिल्ली हमसफर विशेष (02569)-आठ घंटे बरौनी-नई दिल्ली हमसफर एक्सप्रेस (02563)-पांच घंटे सहरसा-नई दिल्ली वैशाली एक्सप्रेस-तीन घंटे जम्मूतवी-दुर्ग एक्सप्रेस-सवा दो घंटे गोरखपुर-आनंद विहार टर्मिनल हमसफर एक्सप्रेस-दो घंटे गोरखपुर-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस-ढाई घंटे सहरसा-आनंद विहार टर्मिनल विशेष (05579)-नौ घंटे दानापुर-आनंद विहार टर्मिनल जनसाधारण एक्सप्रेस-साढ़े पांच घंटे प्रयागराज-चंडीगढ़ ऊंचाहार एक्सप्रेस-छह घंटे अंबाला-मऊ विशेष (05302)-साढ़े छह घंटे जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन महाकौशल एक्सप्रेस-ढाई घंटे

ट्रेन में विवाद, यात्रियों की सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

जगदीशपुर (अमेठी)। साबरमती एक्सप्रेस में बुधवार को हुई घटना ने एक बार फिर ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों की सुरक्षा सवाल उठा दिए हैं। अहमदाबाद से सुल्तानपुर आ रही ट्रेन में हरियाणा निवासी कांवड़िया अनिल कुमार के साथ बोगी में कुछ यात्रियों ने मारपीट की, कपड़े फाड़े और मोबाइल व 900 रुपये छीन लिए। पीड़ित के मुताबिक उसे ट्रेन से नीचे फेंकने की भी कोशिश हुई। इस घटना ने यात्रियों के मन में पुरानी घटनाओं की यादें फिर से ताजा कर दीं। आठ महीने में यह तीसरी बार है जब ट्रेन में बैठे किसी यात्री के साथ घटना सामने आई है। 19 जनवरी को हलियापुर निवासी आकाश के साथ साबरमती एक्सप्रेस में ही मारपीट कर गैस चूल्हा छीन लिया गया था। हालांकि तब जीआरपी ने पीड़ित से समझौते का पत्र लिखवाकर मामला समाप्त कर दिया था। एक अन्य घटना चार दिसंबर 2024 को सामने आई थी, जब बेगमपुरा एक्सप्रेस से निहालगढ़ स्टेशन पर उतरने के बाद मामूली विवाद में मड़कियन निवासी तौहीद की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी, जबकि तालिब गंभीर रूप से घायल हो गया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर घटना के बाद सुरक्षा को लेकर निर्देश तो दिए जाते हैं, मगर अमल कुछ ही दिनों तक होता है। बुधवार को घायल अनिल को आरपीएफ ने अस्पताल पहुंचाया, लेकिन जीआरपी की सक्रियता फिर नदारद दिखी। एडवोकेट राजेश बाजपेई ने कहा कि किसी पर चोरी का शक हो तो पुलिस को सौंपना चाहिए, खुद से मारपीट करना कानून हाथ में लेना है। अध्यापक संतोष तिवारी ने सवाल उठाया कि चोरी करने वाले आखिर बोगियों में घूम कैसे रहे हैं। दोषियों को पकड़ना जरूरी है, वरना व्यवस्था पर सवाल उठेंगे। आरपीएफ इंस्पेक्टर अजय कुमार ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए समुचित प्रबंध किया गया है। नियमित जांच होती है। दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली के अलीपुर में तीन महीने पहले हुई हत्या का पुलिस ने किया खुलासा, मोबाइल ने एक-एककर दिया सुराग

बाहरी दिल्ली। अलीपुर थाना क्षेत्र में तीन महीने पहले लूट का विरोध करने पर हत्या कर शव तीन फुट गहरे गड्ढे में दफनाने के मामले में पुलिस ने तीन नाबालिग आरोपितों को पकड़ा है। हत्या का राज आरोपित के पास से मृतक का मोबाइल फोन बरामद होने के बाद खुला। बीते तीन महीने से लापता पुलिस ने पूछताछ के बाद घटना की जानकारी एसडीएम अलीपुर, फोरेंसिक टीम और क्राइम टीम को दी। सभी टीम के मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस टीम ने वहां करीब तीन फुट गहरा गड्ढा खोदकर शख्स का कंकाल बरामद किया। बरामद मोबाइल फोन से मृतक की पहचान सोनू कुमार के रूप में हुई है। जो बिहार के औरंगाबाद जिले के चंदपुर गांव का रहने वाला था। जो बीते तीन महीने से लापता था। तीनों की उम्र 16 वर्ष बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि बुधवार को अलीपुर थाना पुलिस ने गश्त के दौरान बिना नंबर प्लेट वाली बाइक को रोका। जिसपर तीन नाबालिग सवार थे। पुलिस को देखते ही तीनों वहां से भागने लगे। शक होने पर पुलिस ने पीछा कर तीनों को दबोच लिया। अलीपुर एसएचओ

शैलेंद्र शर्मा के नेतृत्व में पूछताछ के दौरान पता चला कि तीनों की उम्र 16 वर्ष है। इन्होंने 11 जुलाई को अलीपुर इलाके से बाइक चुराई थी। यमुना नदी के किनारे मोबाइल छीना तलाशी के दौरान इनके पास से एक मोबाइल फोन मिला। पूछताछ करने पर तीनों फोन को लेकर संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपितों ने बताया कि उन्होंने यमुना नदी के किनारे एक व्यक्ति से मोबाइल छीना था। मृतक का कंकाल बरामद पीड़ित के विरोध करने पर इन लोगों ने उसकी पहले पिटाई की और उसकी आंखें फोड़ दी। फिर उन्होंने उसका गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को नदी के किनारे दफना दिया। पुलिस की एक टीम तुरंत एक नाबालिग के साथ उस स्थान पर पहुंची। जहां से गड्ढे से मृतक का कंकाल बरामद कर लिया। डीएनए सैंपल लिया जाएगा पुलिस उपायुक्त ने बताया कि परिवारवालों के दिल्ली आने के बाद उनका डीएनए सैंपल लिया जाएगा। उसका रिपोर्ट आने के बाद ही शव उनके परिवार वालों के हवाले किया जाएगा। पुलिस अधिकारी ने बताया कि फिलहाल फोन नंबर से मृतक सोनू की पहचान की गई है। सैंपल का मिलान होने की बाद मृतक की पूरी तरह से शिनाख्त हो पाएगी। फोन के आइएमइआई नंबर से शिनाख्त पुलिस जांच के दौरान मृतक के मोबाइल फोन के आइएमइआई नंबर के जरिए पुलिस को उसपर चलने वाले सिम का पता चला। पुलिस ने उस नंबर का काल डिटेल निकाला। पता चला कि 16 अप्रैल को मृतक ने अंतिम बार काल किया था।

मैनचेस्टर में खूब बोलता है जो रूट का बल्ला, बड़े रिकॉर्ड पर नजरें, पोंटिंग-द्रविड़ से निकलेंगे आगे

मैनचेस्टर (यूके) (एजेंसी)। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट कुछ दिग्गजों को पछाड़ने की कोशिश करेंगे क्योंकि सचिन तेंदुलकर के सर्वकालिक टेस्ट रिकॉर्ड की राह थोड़ी आसान हो गई है। मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान रूट को ऑस्ट्रेलियाई महान रिकी पोंटिंग को पछाड़ने और तेंदुलकर के बाद सफेद टेस्ट में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में खुद को स्थापित करने के लिए 120 रन और चाहिए।

इंग्लैंड के पक्ष में 2-1 से सीरीज होने और लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में शतक लगाकर पहले दो टेस्ट में मिले-जुले प्रदर्शन की भरपाई करने के साथ यह अनुभवी खिलाड़ी इंग्लैंड के लिए सर्वश्रेष्ठ रन-मशीन बने रहने का लक्ष्य रखेगा। अब तक तीन टेस्ट मैचों में रूट ने 50.60 की औसत से 253 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। वह अब तक आठवें सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जो इस दशक में उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए थोड़ा निराशाजनक है।

रूट का मैनचेस्टर में शानदार रिकॉर्ड है, जहां उन्होंने 11 टेस्ट मैचों की 19 पारियों में 65.20 की औसत से 978 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और सात अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 254 है। यह स्टाइलिश बल्लेबाज वर्तमान में टेस्ट मैचों में पांचवें सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं जिन्होंने 156 टेस्ट मैचों की 285 पारियों में 50.80 की औसत से 13,259 रन बनाए हैं, जिसमें 37 शतक और 66 अर्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 262 है।

सिर्फ 30 रन और बनाकर रूट चौथे स्थान पर पहुंच जाएंगे और भारत के महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ (164 टेस्ट मैचों में 13,288 रन) को पीछे छोड़ देंगे जबकि 120 रन और बनाकर वह दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस (166 टेस्ट मैचों में 13,289 रन) और ऑस्ट्रेलिया के पोंटिंग (168 मैचों में 13,378 रन) को पछाड़कर अब तक के दूसरे सबसे ज़्यादा टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। तेंदुलकर टेस्ट मैचों में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जिन्होंने 200 टेस्ट मैचों की 329 पारियों में 53.78 की औसत से 15,921 रन बनाए हैं जिसमें 51 शतक और 68 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 248* है।

प्रतिका रावल पर लगा जुर्माना, इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में ये हरकत पड़ी महंगी

दुबई (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल को इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया और उन पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

भारतीय सलामी बल्लेबाज को थोड़े समय के अंतराल में हुई दो अलग-अलग घटनाओं के लिए दंडित किया गया है। 18वें ओवर में, सिंगल लेते समय उन्होंने गेंदबाज लॉरेन फाइलर के साथ शारीरिक संपर्क बनाया, जिससे बचा जा सकता था। अगले ओवर में आउट होने के बाद ड्रेसिंग रूम लौटते समय उन्होंने गेंदबाज सोफी एक्लेस्टोन के साथ भी ऐसा ही शारीरिक संपर्क बनाया, जिससे बचा जा सकता था।

इसके अलावा रावल के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है, जो 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था। इस बीच, इंग्लैंड की टीम पर धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया क्योंकि निर्धारित समय सीमा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने लक्ष्य से एक ओवर कम फेंका। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर गति के अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में अपनी टीम द्वारा कम फेंके गए प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। रावल और इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने मैच रेफरी सारा बाटर्लेट द्वारा लगाए गए अपने-अपने दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। श्रृंखला का पहला मैच एक कड़ा मुकाबला था, जिसमें भारत ने जीत सुनिश्चित करने के लिए अपना धैर्य बनाए रखा। इंग्लैंड ने सोफिया डंकले के 83 रनों और एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स के धैर्यपूर्ण अर्धशतक की बदौलत 258/6 का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। भारत 124/4 के स्कोर पर संकट में था, लेकिन दीप्ति शर्मा (नाबाद 62) की धैर्यपूर्ण पारी जिन्हें जेमिमा रोड्रिग्स (48), ऋचा घोष (10) और अमनजोत कौर (नाबाद 20) का अच्छा सहयोग मिला, ने मेहमान टीम को कड़ी मेहनत से जीत दिला दी।

अमेरिकी ओपन 2025 में कई दिग्गज खिलाड़ी उतरेंगे मैदान में

न्यूयार्क। अमेरिकी ओपन 2025 के लिए तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और इस प्रतिष्ठित ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में कई नामी सितारे अपनी किस्मत आजमाने को तैयार हैं। गत चैंपियन यानिक सिनर और दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी एरीना सबालेंका उन 10 पूर्व विजेताओं में शामिल हैं जो इस बार भी खिताब के लिए जोर लगाएंगे। अमेरिकी टेनिस एसोसिएशन ने 24 अगस्त से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए आधिकारिक प्रवेश सूची जारी की है जिसमें कुल 18 पूर्व ग्रैंडस्लैम एकल चैंपियन खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं। इस सूची में खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश 14 जुलाई तक की विश्व रैंकिंग के आधार पर दिया गया है। पुरुष खिलाड़ियों के लिए कटऑफ 101वीं रैंकिंग रही जबकि महिला वर्ग में यह सीमा 99वीं रैंकिंग पर थी। इसका मतलब है कि इस साल भी कोर्ट पर दुनिया के कई बड़े सितारे और अनुभवी नाम एक बार फिर अपनी दावेदारी पेश करेंगे और दर्शकों को कड़ी टक्कर वाले मुकाबले देखने को मिलेंगे।

भारत बनाम इंग्लैंड मैच के दौरान जल्दी खराब हो रही ड्यूक्स गेंदें, शिकायतों के बाद जांच का फैसला

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच मौजूदा टेस्ट श्रृंखला के दौरान आलोचना का सामना कर रहे 'ड्यूक्स' गेंद की निर्माता कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि वह गेंद के जल्दी 'नरम (खराब)' होने की गहन समीक्षा करेंगे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल और इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड की आलोचना के बाद इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) इस्तेमाल की गई ज्यादा से ज्यादा गेंदों को इस सप्ताह के आखिर तक ड्यूक्स गेंद बनाने वाली कंपनी को लौटा देगा।

ड्यूक्स का निर्माण करने वाली 'ब्रिटिश क्रिकेट बॉल्स लिमिटेड' के मालिक दिलीप जाजोदिया ने कहा, 'हम इन (इस्तेमाल हुई) गेंदों को ले जाएंगे, निरीक्षण करेंगे और फिर इसके निर्माण से जुड़े लोगों से बातचीत करेंगे। हम इस मामले में जो भी जरूरी होगा वह कदम उठाएंगे।' उन्होंने कहा, 'समीक्षा में अगर हमें लगेगा कि कुछ बदलाव करने की जरूरत है, तो हम करेंगे।' पांच मैचों की मौजूदा श्रृंखला के दौरान मैदानी अंपायरों को नियमित रूप से गेंदों को बदलना पड़ा क्योंकि वे जल्दी नरम हो जा रही थीं। गेंद लगभग 30 ओवर के इस्तेमाल के बाद ही खराब हो जा रही थी। इस पूरी प्रक्रिया के कारण मैचों के दौरान विलंब भी हुआ। टेस्ट श्रृंखला के लिए इस्तेमाल होने वाली गेंद का निर्णय मेजबान बोर्ड करता है। इंग्लैंड में ड्यूक्स गेंद का उपयोग किया जाता है तो वहीं भारत में टेस्ट मैच एसजी गेंद से खेले जाते हैं। ऑस्ट्रेलिया में कूकाबूरा का उपयोग होता है। ड्यूक्स गेंद का उत्पादन 1760 से हो रहा है लेकिन हाल के वर्षों में टेस्ट और काउंटी क्रिकेट में उसे आलोचना का सामना करना पड़ा है। लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान शुभमन गिल उस गेंद से नाखुश थे जो उन्हें अंपायरों द्वारा दी गई थी। इस दूसरी नई गेंद को मैच के दूसरे दिन सुबह के पहले घंटे में बदलना पड़ा था। जसप्रीत बुमराह ने मूल गेंद से कम ओवरों में तीन विकेट लिए थे लेकिन गेंद में बदलाव के बाद भारतीय गेंदबाज पहले सत्र के बाकी समय में एक भी विकेट नहीं ले पाए। इंग्लैंड पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे है।

लॉर्ड्स टेस्ट पर बोले पूर्व भारतीय क्रिकेटर, जडेजा की थोड़ी और आक्रामकता जीत पक्की कर सकती थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट के आखिरी दिन रवींद्र जडेजा की दमदार पारी की तारीफ की है, लेकिन साथ ही संकेत दिया कि अंतिम क्षणों में इस सीनियर ऑलराउंडर का थोड़ा और आक्रामक रुख मैच को भारत के पक्ष में कर सकता था। 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के शीर्ष और मध्य क्रम ने पिच पर असमान उछाल के खिलाफ बहुत कम या बिल्कुल भी प्रतिरोध नहीं दिखाया और जडेजा के लिए बहुत बड़ी चुनौती खड़ी कर दी, क्योंकि एक समय टीम 82/7 पर लड़खड़ा रही थी। दुनिया के नंबर 1 ऑलराउंडर ने इसके बाद संघर्ष जारी रखा और 181 गेंदों पर नाबाद 61 रन बनाए, लेकिन यह भारत के लिए पर्याप्त नहीं था और मेजबान टीम ने 22 रनों से जीत दर्ज की। कैफ का मानना है कि जब समीकरण पहुंच में था, तब थोड़ी और तेजी न लाकर सीनियर ऑलराउंडर ने मौका गंवा दिया। उन्होंने कहा, 'जडेजा ने शानदार पारी खेली - पूरा श्रेय उन्हें जाता है। लेकिन शायद अगर वह 10 प्रतिशत और आक्रामक खेलते, तो नतीजा कुछ और हो सकता था। यह पांचवें दिन की पिच थी, गेंद रिवर्स हो रही थी, उछाल असमान था, और परिस्थितियां कठिन थीं। जब सिराज बल्लेबाजी करने आए तो उन्होंने केवल तीन गेंदों का सामना किया। उस समय आपको स्ट्राइक मैनेज करना होता है, ध्यान रखें कि आप बुमराह या सिराज जैसे पुछल्ले बल्लेबाजों को कितनी गेंदें खेलने दे रहे हैं।' कैफ ने कहा, 'जडेजा ने 90 प्रतिशत काम कर दिया था। बस 10 प्रतिशत और - कुछ सोचे-समझे जोखिम - और शायद लक्ष्य का पीछा पूरा हो जाता। लेकिन बाहर से कहना आसान है। उस पल के दबाव को केवल बल्लेबाज ही जानता है। फिर भी, यह एक यादगार पारी थी।' पूर्व क्रिकेटर ने अब तक श्रृंखला में भारत के समग्र बल्लेबाजी प्रदर्शन पर विचार करते हुए कहा कि बल्लेबाजी इकाई ने अपना काम अच्छा किया है और आगे भी ऐसा ही करना चाहिए। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'मेरा मानना है कि भारतीय बल्लेबाजी इकाई के 80-90 प्रतिशत ने अच्छा प्रदर्शन किया है। गिल फॉर्म में हैं, जायसवाल ने बहुमूल्य योगदान दिया है, पंत आत्मविश्वास से खेल रहे हैं और जडेजा लगातार रन बना रहे हैं। सुंदर ने भी योगदान दिया है। अगर बल्लेबाजी चल रही है, तो उसे बदलने की कोई जरूरत नहीं है। बस वही तरीका दोहराएं। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट 23 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर में शुरू होगा।

गंभीर सहित सहयोगी स्टाफ ने जडेजा को सबसे मूल्यवान खिलाड़ी बताया

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित सहयोगी स्टाफ ने ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की जमकर प्रशंस करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में उनके प्रदर्शन को असाधारण बताया है। गंभीर ने कहा कि जडेजा जैसा खिलाड़ी मिलना कठिन है। गंभीर ने जडेजा को टीम का सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (एमवीपी) करार दिया। जडेजा ने इस सीरीज में शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है। तीसरे टेस्ट में उन्होंने अंतिम दिन 181 गेंदों पर नाबाद 61 रन बनाये थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अब एक वीडियो जारी किया है। इसमें कोच जडेजा की जमकर तारीफ कर रहे हैं। गंभीर ने इस वीडियो में कहा, ' जडेजा की पारी अविश्वसनीय थी।' भारतीय टीम इस मैच में 193 रन के लक्ष्य का पीछा नहीं कर पायी। टीम के शीर्ष बल्लेबाज जब पेवेलिन लौट रहे थे। तब जडेजा ने एक छोर संभाले रखा। वहीं इसी वीडियो में सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने कहा, 'जडेजा की बल्लेबाजी एक अलग ही स्तर पर पहुंच गई है। पिछले दो टेस्ट मैचों में उन्होंने जो संयम दिखाया वह वास्तव में प्रशंसनीय है। मैं उन्हें कई साल से खेलते हुए हुए देख रहा हूं। मैंने देखा है कि उन्होंने अपने खेल को बेहतर बनाया है। वह वे एक शानदार बल्लेबाज़ लगते हैं जो आक्रामक साथ ही रक्षात्मक खेल में भी कुशल हैं।' वहीं बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने कहा, 'मुझे हमेशा लगता था कि उनमें दबाव झेलने की क्षमता है। वह आमतौर पर तब अधिक अच्छी बल्लेबाज करते हैं जब टीम को चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में जरूरत होती है। वह टीम के लिए वाकई बहुत मूल्यवान हैं।'

'भारत को एक एक्स्ट्रा गेंदबाज को खिलाना चाहिए', चौथे टेस्ट से पहले रहाणे ने दिया भारतीय टीम को जीत का मंत्र

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का चौथा टेस्ट मैच 23 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला जाएगा। लॉर्ड्स में हार के बाद भारतीय टीम पांच मैचो की सीरीज में 1-2 से पीछे चल रही है। भारतीय टीम के लिए यह टेस्ट मैच अहम साबित होगा जो टेस्ट सीरीज की हार-जीत निश्चित करेगा। इसी बीच भारतीय क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने भारतीय टीम को जीत का मंत्र देते हुए प्लेइंग इलेवन में बदलाव करने की सलाह दी है। रहाणे ने चौथे टेस्ट में एक अतिरिक्त गेंदबाज को खिलाने की बात कही है और उनका मानना है कि एक अतिरिक्त गेंदबाज से भारतीय टीम को सीरीज बराबर करने में मदद मिलेगी।

अजिंक्य रहाणे ने अपने यूट्यब चैनल पर कहा- 'हम जानते हैं कि चौथे और पांचवें दिन बैटिंग थोड़ी मुश्किल होती है। रन बनाना आसान नहीं होता। हां, इंग्लैंड ने अच्छी गेंदबाजी की, मगर मुझे लगता है कि भारत ने पहली पारी में बड़ा स्कोर बनाने का मौका गंवा दिया। आगे बढ़ते हुए भारत को एक एक्स्ट्रा गेंदबाज को खिलाना चाहिए, क्योंकि आप टेस्ट मैच या सीरीज 20 विकेट लेकर जीतते हो।'रहाणे ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की तारीफ करते हुए लॉर्ड्स टेस्ट के तीसरे दिन उनके द्वारा लंच से पहले ऋषभ पंत को आउट करने को मैच का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट बताया।

कैफ ने भारतीय टीम को बताया वापसी का रास्ता, प्लेइंग 11 पर कही बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने युवा भारतीय टीम के इंग्लैंड में चल रही टेस्ट सीरीज में वापसी करने और बराबरी करने का समर्थन किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हार के बाद घबराहट लय को बिगाड़ सकती है। विशेष बातचीत में कैफ ने विराट कोहली, रोहित शर्मा, मोहम्मद शमी और आर. अश्विन जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के बावजूद भारत के लचीलेपन की प्रशंसा की और कप्तान शुभमन गिल को एक नेतृत्वकर्ता और एक बल्लेबाज, दोनों के रूप में आगे बढ़ने का श्रेय दिया।

कैफ ने चयन में निरंतरता की भी बात की और टीम प्रबंधन से हार पर जल्दबाजी में प्रतिक्रिया न करने का आग्रह किया। उन्होंने करुण नायर जैसे खिलाड़ियों का समर्थन करने और मौजूदा प्लेइंग 11 पर भरोसा करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, 'आपने चार दिन अच्छा क्रिकेट खेला और पांचवें दिन हार गए, इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपनी योजना बदल दें।'

जसप्रीत बुमराह के अगले महत्वपूर्ण टेस्ट में भी खेलने की संभावना है और बल्लेबाजी क्रम फॉर्म में है, ऐसे में कैफ आशावादी हैं। उन्होंने कहा, '2-2 से बराबरी पर रहने की प्रबल संभावना है, भारत को बस शांत रहना होगा और समझदारी से खेलना होगा।'

श्रृंखला में भारत के प्रदर्शन पर कैफ ने कहा, 'भारत ने पिछले 15 दिनों में से 12-13 दिनों तक दबदबा बनाए रखा। उन्होंने बल्ले और गेंद, दोनों से दमदार क्रिकेट खेला। जब यह टीम इंग्लैंड पहुंची, तो ज़्यादातर लोगों ने 0-4 या 1-4 से हार की भविष्यवाणी की थी, लेकिन उन्होंने सभी को चौंका दिया। कोहली, रोहित, शमी और अश्विन के बिना, यह युवा टीम डटी रही और अच्छा प्रदर्शन किया। वे दो करीबी मैच हार गए, हेडिंग्ले भारत की पकड़ में था, और 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए अंतिम टेस्ट भी। शुभमन गिल ने कप्तान और बल्लेबाज दोनों के रूप में आगे बढ़कर नेतृत्व किया है। इंग्लैंड की परिस्थितियों में उनके प्रदर्शन पर संदेह था, लेकिन उन्होंने बल्ले से जवाब दिया। थोड़ी किस्मत के साथ, भारत तीनों टेस्ट जीत सकता था।'

टीम इंडिया की चयन मानसिकता के सवाल पर कैफ ने कहा, 'एक बात मैंने नोटिस की है कि जब भारत हारता है, तो वे घबरा जाते हैं। जब वे जीतते हैं, तो वे उसी प्लेइंग 11 के साथ बने रहते हैं। पहला टेस्ट हारने के बाद उन्होंने 2-3 बदलाव किए। लेकिन बर्मिंघम में जीत के बाद केवल बुमराह को ही टीम में शामिल किया गया, कोई और बदलाव नहीं। यही चलन रहा है। तीसरा टेस्ट हारने के बाद भी मेरा मानना है कि उन्हें मैनचेस्टर में उसी टीम के साथ उतरना चाहिए। करुण नायर को शुरुआत मिल रही है 30 और 40 के बीच लेकिन वे रन नहीं बना पा रहे हैं। फिर भी, उन्हें एक और मौका मिलना चाहिए।

मेरे हिसाब से यह इंग्लैंड का वर्षों में सबसे कमजोर गेंदबाजी आक्रमण है जिसमें न ब्रॉड, न एंडरसन, और आर्चर अभी भी वापसी की राह पर हैं। मैंने इंग्लैंड को इतना तेज आक्रमण करते कभी नहीं देखा। और फिर भी हम 193 के लक्ष्य का पीछा नहीं कर सके। यहीं हम मैच हार गए।'

टीम इंडिया की संभावनाओं पर पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'भारत के सीरीज 2-2 से बराबर करने की पूरी संभावना है और मेरा मानना है कि यह संभावना काफी ज़्यादा है। मुझे लगता है कि यह टीम मजबूत वापसी कर सकती है। शुभमन गिल की कप्तानी और टॉस के फैसलों पर कैफ ने कहा, अब तक शुभमन गिल तीन टॉस हार चुके हैं, दो जहां हमने पहले बल्लेबाजी की और एक जहां हमने लक्ष्य का पीछा किया। हम वह मैच हार गए जहां हमने पहले गेंदबाजी की। मुझे नहीं लगता कि फील्डिंग चुनना सही फैसला था। टॉस जीतो और बल्लेबाजी करो जैसे विराट कोहली करते थे। स्विंग या पूर्वानुमान की परवाह किए बिना, बोर्ड पर रन बनाओ।

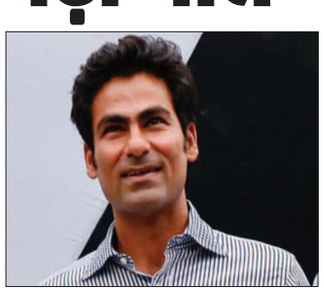

ओलिविया स्मिथ बनी दुनिया की सबसे महंगी महिला फुटबॉलर

लंदन। ओलिविया स्मिथ महिला फुटबॉल इतिहास की सबसे महंगी खिलाड़ी बन गई हैं। आर्सेनल ने कनाडा की इस 20 वर्षीय खिलाड़ी को 10 लाख पाउंड (लगभग 11 करोड़ 57 लाख रुपए) की विश्व रिकॉर्ड ट्रांसफर फीस पर लिवरपूल से अपनी टीम में शामिल किया। महिला फुटबॉल में यह नई धनराशि जनवरी में सैन डिएगो वेव से नाओमी गिर्मा को अपनी टीम से जोड़ने के लिए चेल्सी द्वारा भुगतान की गई 900,000 पाउंड की राशि को पार कर गयी है। आर्सेनल की महिला फुटबॉल निदेशक क्लेयर व्हीटली ने कहा, 'वह खेल की सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक हैं और क्लब में आगे बढ़ने की उनमें अपार संभावनाएं हैं।' अनुबंध के बारे में जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि इस फॉरवर्ड ने चार साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलदीप को मैनचेस्टर टेस्ट में खेलते देखना चाहते हैं कपिल

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि मैनचेस्टर में 23 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले चौथे टेस्ट मैच में चाइननामैन स्पिनर कुलदीप यादव बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे में वह कुलदीप को इस मैच में खेलते हुए देखना चाहते हैं। कपिल ने स्वयं कुलदीप को फोन कर ये बात कही है। पांच मैचों की इस सीरीज में अभी भारतीय टीम 1-2 से पीछे है, ऐसे में उसके लिए चौथा टेस्ट बेहद अहम है। भारतीय टीम को लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में केवल 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा। तीनों मैच के दौरान कुलदीप को जगह नहीं मिलने से सभी हैरान हैं क्योंकि टीम में शामिल स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा इन मैचों में प्रभावित नहीं कर पाये, केवल बल्लेबाजी के आधार पर इन्हें जगह मिली। ऐसे में कपिल का ये कहना कि मैनचेस्ट टेस्ट में कुलदीप बड़ी भूमिका निभा सकते हैं, ये बात ध्यान में रखनी चाहिये। अब तक सुंदर ने तीसरे मैच की दूसरी पारी में 4 विकेट लिए किया। वहीं जडेजा ने 6 पारियों में तीन विकेट लिए हैं। हालांकि बल्लेबाजी में जडेजा काफी सफल रहे हैं। कुलदीप को टीम में जगह नहीं मिलने पर कपिल ने कहा कहा, टीम अच्छा खेल रही है इसलिए भी शायद उन्हें अवसर नहीं मिला। तीसरे टेस्ट में लगा कि वह खेलेंगे पर लेकिन तेज गेंदबाजों ने अच्छा काम किया। उन्होंने साथ ही कहा, इस समय कुलदीप अच्छे फॉर्म में है। ऐसे में उसे जगह नहीं देना नुकसानदेह रहेगा। पिछले कुछ मैचों में गेंदबाज नहीं, बल्कि बल्लेबाज विफल रहे हैं। उन्होंने कहा, आप कुलदीप या जसप्रीत बुमराह से ये उम्मीद नहीं कर सकते कि वह काफी रन बना लेंगे। मैंने हाल ही में कुलदीप से बात की और उसे फिट रहने और अवसर मिलने पर अच्छा प्रदर्शन करने को कहा। हम सभी उसे जगह मिलने की उम्मीद कर सकते हैं हालांकि अंतिम फैसला कोच और कप्तान को करना है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कुलदीप वर्तमान समय में देश के सबसे अच्छे और अनुभवी स्पिनर हैं। उन्होंने साथ ही कहा, उसका मनोबल ऊंचा है पर अंदर ही अंदर वह यह भी सोच रहा होगा कि उसे कब अवसर मिलेगा। वह भी तो इंसान ही है। मैनचेस्टर में अवसर मिलन पर वह बड़ी भूमिका निभा सकता है।

'गिल पर इसका सही असर नहीं हुआ', शुभमन के आक्रामक तेवर पर बोले मांजरेकर

लंदन (एजेंसी)। नई दिल्ली ⁼ भारत के इंग्लैंड दौरे पर शुभमन गिल का प्रदर्शन अभी तक देखने लायक रहा है। उन्होंने कई बल्लेबाजी रिकॉर्ड तोड़ते हुए टेस्ट कप्तान के रूप में अपनी पहली जीत हासिल की। हालांकि लॉर्ड्स में उनका एक ऐसा पक्ष देखने को मिला जो अक्सर देखने को नहीं मिलता। उन्होंने जैक क्रॉली के सामने आक्रामक तेवर दिखाए और उनकी टीम ने भी उनका अनुसरण किया और इस तरह सीरीज का पहला रोमांचक मोड़ आया।

बेन स्टोक्स ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट किया कि इंग्लैंड ने गिल की आक्रामकता के सीधे जवाब में भारत के लिए स्थिति को जितना हो सके उतना असहज बनाने का फैसला किया था। चौथे दिन के आखिरी क्षणों में जब खेल के एक महत्वपूर्ण दौर में बल्लेबाजी करने की उनकी बारी आई, तो गिल ज्यादा देर टिक नहीं पाए। अब जबकि टेस्ट मैचों के बीच ब्रेक है, मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट अगले बुधवार से शुरू हो रहा है और भारत 1-2 से पीछे है, गिल के पास यह तय करने के लिए कुछ समय है कि क्या वह तीसरे दिन दिखाए गए साहस को आगे भी जारी रखना चाहते हैं।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने मैच डे कार्यक्रम में भारत के एक पूर्व कप्तान का उदाहरण देते हुए चीजों को सही परिप्रेक्ष्य में रखा। मांजरेकर ने कहा, 'विराट कोहली के साथ बात यह थी कि वह जब ज्यादा जोश में आ जाते थे, तो एक बेहतर बल्लेबाज बन जाते थे। शुभमन गिल के साथ मुझे जो बात निराश कर रही थी, वह यही थी कि मैं सोच रहा था कि गिल किस दिशा में जा रहे हैं? क्योंकि ऐसा लग रहा था कि बल्लेबाज गिल पर इसका सही असर नहीं हुआ।'

मांजरेकर ने कहा, 'वह बहुत ही अनिश्चित लग रहे थे और आप जानते हैं, आजकल हम स्टंप माइक के सामने होते हैं और हम उनकी बातें सुन सकते थे और कुछ निजी हमले भी हुए।' 'गिल के लिए यह एक नया अनुभव हो सकता है क्योंकि आजकल, जैसा कि आप देख सकते हैं, भारतीय खिलाड़ियों के साथ, ज्यादातर विदेशी टीमें दोस्ताना व्यवहार करती हैं। इसलिए यह एक नया क्षेत्र था। और वह अनिश्चित लग रहे थे और इसके लिए तैयार नहीं थे।'

गिल लॉर्ड्स में दो टेस्ट मैचों में 485 रन बनाकर उतरे थे। उन्होंने चार पारियों में तीन शतक लगाए और उनमें से एक को करियर की सर्वश्रेष्ठ 269 रनों की पारी में बदल दिया। तीसरे टेस्ट में बल्लेबाजी के लिए हालात बाकी सीरीज की तुलना में ज्यादा मुश्किल थे। दूसरी पारी में उन्हें एक सख्त नई गेंद का सामना करना पड़ा। बाकी हर बार, उन्हें एक पुरानी, नरम गेंद के सामने शुरुआत करने का फायदा मिला, जो ज्यादा असर नहीं कर रही थी।

मांजरेकर ने कहा, 'हमने देखा कि उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की, उससे यह नतीजा निकला। उन्होंने पूरी सीरीज में बल्लेबाज के तौर पर अपने मैराथन प्रदर्शन के दौरान खूबसूरती से इन गेंदों का सामना किया है। और अचानक से वो उन गेंदों को मिस कर रहे थे। अगली गेंद पर, पगबाधा आउट हो गए। गिल के डिफेंस को भेदना बहुत मुश्किल काम था। उन्होंने शायद ही कोई गेंद मिस की हो। उनका नियंत्रण प्रतिशत शानदार रहा है। और अचानक (दूसरी पारी में) लगभग नौ गेंदों में से उन्होंने चार गेंदें मिस कर दीं। मुझे इसमें कोई शक नहीं कि इसमें कोई कनेक्शन है।'

शोहरत एक दोधारी तलवार की तरह: ईशा कोप्पिकर

बालीवुड अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर इन दिनों मानसिक स्वास्थ्य की मुखर पक्षधर बनकर सामने आई हैं। फिल्म इंडस्ट्री के उतार-चढ़ाव भरे सफर से सबक लेकर उन्होंने आत्म-मूल्य, भावनात्मक ईमानदारी और कल्याण पर खुली बातचीत को बढ़ावा देना शुरू किया है। अभिनेत्री ईशा ने बताया कि शोहरत एक दोधारी तलवार की तरह होती है। एक तरफ आपको तारीफ और पहचान मिलती है, तो दूसरी तरफ लगातार उन उम्मीदों पर खरा उतरने का दबाव रहता है जो हमेशा सच नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि अक्सर आपसे उम्मीद की जाती है कि आप हर हाल में मुस्कुराएं, चाहे भीतर से टूटे हुए क्यों न हों। ईशा ने ईमानदारी से स्वीकार किया कि बहुत समय तक उन्हें यह एहसास ही नहीं था कि 卐मैं ठीक नहीं हूं卐 कहना भी एक विकल्प हो सकता है। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में ज्यादा लोगों को यह सुनने की जरूरत है कि कभी-कभी खुद को थका हुआ या हारा हुआ महसूस करना भी पूरी तरह इंसानी बात है और इसका मतलब यह नहीं कि आपको सब कुछ चुपचाप सहना ही पड़े। उन्होंने इस पर बात की कि लगातार अच्छा प्रदर्शन करने, हर समय परफेक्ट दिखने और प्रासंगिक बने रहने का दबाव आपके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरी चोट करता है, लेकिन इसके बावजूद इस बारे में बहुत कम लोग खुलकर बात करते हैं। ईशा के मुताबिक यह सोच कि भावनात्मक कमजोरी कमजोरी ही है, अब बदलनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि असली ताकत सब कुछ कंट्रोल करने में नहीं, बल्कि खुद के प्रति सच्चे और दयालु बने रहने में है। ईशा ने कहा कि 'आप जैसे हैं, वैसे ही पर्याप्त हैं,' यह एक बेहद सरल सच है जिसे हम अक्सर भूल जाते हैं, खासकर उस दुनिया में जहां सब कुछ फिल्टर और परफेक्शन में लपेटा जाता है। उन्होंने कहा कि वूलनेराबिलिटी यानी अपनी भावनाओं को खुलकर मानना कमजोरी नहीं बल्कि असली साहस है। ईशा कोप्पिकर का यह ईमानदार नजरिया मनोरंजन जगत में सफलता, मजबूती और आत्म-देखभाल को लेकर बनी धारणा को चुनौती दे रहा है। सोशल मीडिया के दौर में, जहां दिखावे और अवास्तविक उम्मीदों का दबाव बढ़ता जा रहा है, उनका यह संदेश न सिर्फ दिल को छू जाता है बल्कि दूसरों को भी खुद को अपनाने और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीरता से लेने के लिए प्रेरित करता है। बता दें कि अभिनेत्री 'क्या कूल हैं हम', 'कृष्णा कॉटेज', 'एक विवाह ऐसा भी', 'शबरी' और 'डॉन' जैसी फिल्मों में अपने यादगार किरदारों के लिए जानी जाती हैं।

विक्रांत के 'डॉन 3' से बाहर होने को लेकर अटकलें जारी

बालीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी के 'डॉन 3' से बाहर होने को लेकर अटकलें लगाई जा रही है। यह वही प्रोजेक्ट है जो रणवीर सिंह के 'डॉन' बनने की वजह से पहले से हाईलाइट में है। खबरों के मुताबिक विक्रांत फिल्म के अहम विलेन रोल से अचानक बाहर हो गए हैं। इस रोल में वह एक शातिर स्कैमस्टर का किरदार निभाने वाले थे, जिसका रणवीर सिंह के 'डॉन' से सीधा टकराव होता। इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक विक्रांत को स्क्रिप्ट में अपने किरदार की गहराई कम लगी। उन्हें लगा कि यह रोल उनके एक्टिंग स्टैंडर्ड के हिसाब से 'लेयर्ड' या चुनौतीपूर्ण नहीं है। इसके अलावा रोल के लिए एक बड़ा फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन भी जरूरी था, जिसे लेकर वह असमंजस में थे। इस वजह से उन्होंने प्रोजेक्ट छोड़ने का फैसला किया। फरहान अख्तर अब नए विलेन की तलाश में हैं। पहले ही फिल्म की लीड फीमेल रोल में बदलाव हो चुका है कियारा आडवाणी के प्रेग्नेंट होने की वजह से उनकी जगह कृति सेनन को लिया गया। अब विक्रांत की एग्जिट ने मेकर्स के लिए कास्टिंग और जटिल कर दी है।

फिलहाल खबर है कि इस दमदार विलेन रोल के लिए विजय देवरकोंडा और आदित्य रॉय कपूर से बात चल रही है। दोनों में वह चार्म और इंटेंसिटी है जो रणवीर सिंह के 'डॉन' के मुकाबले एक करिश्माई विलेन के लिए जरूरी मानी जा रही है। हालांकि किसी की ओर से अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। 'डॉन 3' की शूटिंग जनवरी 2026 से शुरू होनी है। फरहान अख्तर इसे इंटरनेशनल स्केल पर ले जाने की तैयारी में हैं और इसके लिए एक मजबूत स्टार कास्ट बनाना चाहते हैं। कुल मिलाकर विक्रांत मैसी के लिए यह वक्त चुनौतीपूर्ण कहा जा सकता है एक तरफ उनकी लेटेस्ट फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट रही है, दूसरी तरफ उन्होंने जिस हाई-प्रोफाइल फिल्म से खुद को बाहर किया, वही रोल किसी और स्टार को एक बड़ा ब्रेक दे सकता है। उनके फैन्स भी इस बात को लेकर थोड़े हैरान हैं कि यह फैसला उनके करियर के लिए सही साबित होगा या बड़ी गलती बन जाएगा यह तो वक्त ही बताएगा। विक्रम मैसी की 'आंखों की गुस्ताखियां' की बात करें तो यह एक रोमांटिक-ड्रामा फिल्म है जिसमें विक्रांत के अपोजिट शनाया कपूर नजर आईं। शनाया ने इसी फिल्म से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। हालांकि, यह फिल्म दर्शकों को थिएटर तक खींचने में नाकाम रही और बॉक्स ऑफिस पर बेहद कमजोर प्रदर्शन कर रही है। ट्रेड एनालिस्टों का तो कहना है कि फिल्म 2025 की सबसे बड़ी फ्लॉप या 'डिजास्टर' साबित होने के कगार पर है। फिल्म के कंटेंट और प्रचार को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। दर्शकों और समीक्षकों को इसकी कहानी और निर्देशन में वह पकड़ नजर नहीं आई जो रोमांटिक-ड्रामा को हिट बना सके।

महिलाओं को लेकर पुरानी सोच अभी भी कायम: फातिमा सना शेख

बालीवुड अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने कहा कि 30 साल की उम्र के बाद भी शादी न करने वाली महिलाओं को लेकर कुछ हद तक पुरानी सोच अभी भी कायम है, मगर पहले जैसा दबाव अब नहीं रह गया है। अभिनेत्री ने हाल ही में समाज में महिलाओं की शादी और रिश्तों को लेकर बदलती सोच पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने माना कि लोग अब व्यक्तिगत पसंद और रिश्तों में बदलाव को पहले से कहीं ज्यादा सहजता से स्वीकार करने लगे हैं। फातिमा के मुताबिक पहले एक निश्चित उम्र तक शादी करने का दबाव बहुत ज्यादा था, लेकिन समय के साथ चीजें बदल रही हैं और रिश्तों की परिभाषा भी बदल गई है। आज के दौर में कई लोग खुद पर या अपने करियर पर ध्यान देना पसंद करते हैं, तो कुछ अकेले रहना ही चुन लेते हैं। उन्होंने कहा कि समाज भी धीरे-धीरे इस बदलाव को अपनाना सीख रहा है। उन्होंने यह भी माना कि रिश्तों का मतलब अब अलग हो गया है और कई लोग अब अकेले रहने में भी खुशी महसूस करते हैं या अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान देते हैं। फातिमा ने यह भी कहा कि उन्हें यह नहीं पता कि यह बदलाव सही है या गलत, लेकिन अब उस पर पहले जैसी सख्ती या पाबंदी नहीं रही। बातचीत के दौरान फातिमा ने अपने पहले प्यार की यादें भी साझा कीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी किताबों में फूल रखे या कोई ऐसा फिल्मी रोमांटिक पल जिया है, तो वह मुस्कुरा कर बोलीं, 'हां, बिल्कुल।'

उन्होंने बताया कि उनके उस वक्त के पार्टनर ने उनके जन्मदिन पर खास सरप्राइज प्लान किया था, जिसमें दरवाजे से कमरे तक का रास्ता फूलों से सजाया गया था। चारों तरफ फूल बिखरे थे और केक के आसपास मोमबत्तियां जली हुई थीं। हालांकि यह सरप्राइज वैसा नहीं रहा जैसा सोचा गया था, क्योंकि उनके वहां पहुंचने तक ज्यादातर मोमबत्तियां पिघल चुकी थीं। उन्होंने हंसते हुए कहा कि बाद में हमें सब कुछ साफ करना पड़ा। फातिमा ने उस लम्हे को बेहद खास और सच्चे प्यार का एहसास बताया और कहा कि तब वह काफी छोटी थीं और उस समय उनके पास फेसबुक या इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म भी नहीं थे।

सलमान ने 'बैटल ऑफ गलवान' को बताया करियर की कठिन फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने कहा कि एक्शन फिल्म की तैयारी हर गुजरते साल, महीने और दिन के साथ और अधिक चुनौतीपूर्ण होती जा रही है। उन्होंने अपनी अगली फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को उन फिल्मों में शुमार किया, जिसके लिए उन्हें शारीरिक पहलू पर सबसे ज्यादा मेहनत करनी पड़ रही है।

सलमान 'शूटआउट एट लोखंडवाला' फेम निर्देशक अपूर्व लाखिया की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में अपने किरदार की तैयारियों में जीजान से जुटे हुए हैं। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म भारत और चीन के बीच 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुए संघर्ष पर आधारित है। सलमान ने 'एजेंसी' के साथ बातचीत में कहा, ''यह (एक्शन फिल्म की तैयारी) शारीरिक रूप से बहुत चुनौतीपूर्ण है। हर साल, हर महीने, हर दिन यह और अधिक कठिन होती जा रही है। मुझे अब तैयारी के लिए अधिक समय देना होगा। पहले मैं एक या दो हफ्ते में तैयारी कर लेता था, अब मुझे काफी शारीरिक मेहनत करनी पड़ रही है। इस फिल्म के लिए यह सब जरूरी है।'' सलमान इस साल दिसंबर में 60 वर्ष के हो जाएंगे। उन्होंने कहा, ''उदाहरण के लिए 'सिकंदर' में एक्शन अलग था, किरदार अलग था। लेकिन यह फिल्म (बैटल ऑफ गलवान) शारीरिक पहलू पर अधिक मेहनत करने की मांग करती है। इसके अलावा, लद्दाख में ऊंचे स्थानों पर और ठंडे पानी में शूटिंग करना (एक और चुनौती है)।'' अभिनेता ने बताया कि परियोजना से जुड़ी टीम इस महीने के अंत में शूटिंग के लिए लद्दाख रवाना होगी। उन्होंने कहा, ''जब मैं फिल्म के लिए अपनी सहमति दे रहा था, तो मुझे लगा कि यह कमाल की है, लेकिन यह एक बहुत ही मुश्किल फिल्म है। मुझे लद्दाख में 20 दिन काम करना है और फिर सात से आठ दिन ठंडे पानी में शूटिंग करनी है। हम इसी महीने शूटिंग शुरू करेंगे।'' निर्माताओं के मुताबिक, यह फिल्म भारत की सबसे भीषण लड़ाइयों में से एक पर आधारित है, जो समुद्र तल से 15,000 फुट की ऊंचाई पर बिना एक भी गोली चलाए लड़ी गई थी। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों में भारतीय सेना के 20 जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी, जो दशकों में भारत और चीन के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था। सलमान ने बताया कि 'बैटल ऑफ गलवान' उनकी पिछली कुछ फिल्मों की तरह ईद पर रिलीज नहीं होगी, बल्कि यह अगले साल जनवरी में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। उन्होंने पुष्टि की कि 2015 में प्रदर्शित उनकी सुपरहिट फिल्म 'बजरंगी भाईजान' के सीक्वल पर काम किया जा रहा है। बृहस्पतिवार को रिलीज के 10 साल पूरी करने वाली 'बजरंगी भाईजान' का जिक्र करते हुए सलमान ने कहा, ''मुझे यह फिल्म बहुत पसंद आई थी। इसका (सीक्वल) विषय और भावनात्मक पक्ष लगभग वही होगा, लेकिन यह एक अलग फिल्म होगी।'' कबीर खान के निर्देशन में बनी 'बजरंगी भाईजान' भगवान हनुमान के एक भक्त के बारे में थी, जो पाकिस्तान की एक मूक लड़की को उसके परिवार से मिलाने के लिए सीमा पार मिशन पर निकलता है। साइकिल और मोटरसाइकिल चलाने के शौकीन सलमान ने इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग (आईएसआरएल) के दूसरे सीजन के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन से इतर 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत की। वह आईएसआरएल के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। सलमान ने कहा, ''मैं हमेशा से ही साइकिल चलाने का शौकीन रहा हूं। साइकिल से लेकर मोटरसाइकिल तक, मुझे सब पसंद हैं। हालांकि, अब मुझे साइकिल चलाने का ज्यादा मौका नहीं मिलता।'' उन्होंने अपने प्रशंसकों को सड़कों पर 'बाइक रेस' लगाने के प्रति आगाह किया।

अभिनेता रणदीप हुड्डा को हुआ राइटिंग से लगाव, लिख रहे छोटी-छोटी कहानियां

-वर्सोवा और आराम नगर पर आधारित एक सीरीज पर कर रहे काम

फिल्म मेकर और एक्टर रणदीप हुड्डा की एक्टिंग उनका पहला प्यार है, रणदीप को पिछले कुछ सालों में राइटिंग से गहरा लगाव हो गया है। यह बात खुद रणदीप हुड्डा कह रहे हैं। उन्होंने कि यह उनके लिए किसी भी रचनात्मक प्रक्रिया का सबसे अच्छा हिस्सा है। जब वह अभिनय करते हैं, तो वह दूसरों की लिखी कहानियों का हिस्सा बनते हैं, लेकिन लेखन उन्हें वह कहानियां गढ़ने का मौका देता है, जिन्हें उन्होंने जिया, देखा या कल्पना की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वह वर्तमान में मुंबई के वर्सोवा और आराम नगर पर आधारित छोटी कहानियों की एक सीरीज बना रहे हैं। ये कहानियां हर रविवार को सड़क किनारे बांसुरी बेचने वाले एक व्यक्ति के जीवन, शहर में संघर्षरत अभिनेताओं के सफर, कास्टिंग काउच की कठोर सच्चाइयों और कई अन्य कहानियों को छूती हैं। रणदीप ने कहा कि वर्सोवा और आराम नगर मानवीय महत्वाकांक्षाओं और अस्तित्व के ऐसे खामोश रंगमंच रहे हैं और वह इन कहानियों को जीवंत करना चाहते थे।

उन्होंने बताया कि हर रविवार उन्हें एक बांसुरी वाला उसी कोने पर खड़ा दिखता है, जो ऐसी धुनें बजाता है जो शहर के शोर में अक्सर दब जाती है। उसके पीछे महत्वाकांक्षी अभिनेताओं, रोजमर्रा के संघर्षों, छोटी जीतों और दिल टूटने की दुनिया है। उन्होंने कहा कि इन कहानियों को लिखने से उन्हें उद्देश्य की अनुभूति होती है और उनके आसपास की जिंदगी की परतों पर विचार करने का मौका मिलता है।

बता दें रणदीप 'मैचबॉक्स' में नजर आएंगे, जो सैम हार्ग्रेव के निर्देशन में बन रही अमेरिकी एक्शन एडवेंचर कॉमेडी फिल्म है। यह फिल्म इसी नाम के मशहूर टॉय ब्रांड पर आधारित है और इसमें जॉन सीना, जेसिका बील, सैम रिचर्डसन, आर्टुरो कास्त्रो, टेयोना पैरिस, रणदीप हुड्डा, दनाई गुरिरा और कोरी स्टोल नजर आएंगे।

यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। रणदीप के पास 'ऑपरेशन खुकरी' नामक एक महाकाव्य युद्ध ड्रामा भी है। रणदीप ने मेजर जनरल राजपाल पुनिया और दामिनी पुनिया की किताब 'ऑपरेशन खुकरी- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ द इंडियन आर्मीज ब्रेवेस्ट पीसकीपिंग मिशन अब्रॉड' के आधिकारिक फिल्म अधिकार हासिल कर लिए हैं। फिल्म 'ऑपरेशन खुकरी' 2000 की वास्तविक घटनाओं को पर्दे पर लाएगी, जब पश्चिम अफ्रीका के सिएरा लियोन में विद्रोही बलों ने 233 भारतीय सैनिकों को बंधक बना लिया था।

तमन्ना भाटिया के नए लुक को फैंस ने खूब पसंद किया

हाल ही में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बेहद खास तस्वीरें पोस्ट कीं, जिन्होंने लोगों का ध्यान खींच लिया और उनके लुक को फैंस ने खूब पसंद किया। इन तस्वीरों में तमन्ना ने एक अनोखा और कंट्रास्ट स्टाइल अपनाया है। उन्होंने काले रंग की चमकीली गाउन के साथ एक सिंपल ग्रे टी-शर्ट पहनकर यह दिखाया कि फैशन में विरोधाभास भी खूबसूरती पैदा कर सकता है। उनके इस लुक में ग्लैमर और कैजुअल अंदाज का ऐसा मेल नजर आया, जो उनके फैशन के प्रति सोच को भी बयां करता है। तमन्ना ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा कि फैशन उनके लिए केवल नए ट्रेंड्स को फॉलो करना नहीं है, बल्कि खुद को जाहिर करने का जरिया है। उन्होंने कहा कि फैशन में ग्लैमर और आराम, ताकत और नर्मी के बीच संतुलन होना चाहिए। उन्होंने लेयरिंग की ताकत को समझाते हुए लिखा कि एक काला गाउन और ग्रे टी-शर्ट दो अलग-अलग दुनिया से हो सकते हैं, लेकिन उनके लिए ऐसा लगता है जैसे वे मिलने के लिए ही बने हों। तमन्ना ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि विरोधाभास टकराव नहीं है, बल्कि यह वह जगह है जहां मर्दाना और स्त्री स्वभाव में तालमेल बैठता है।

'सरफिरा' मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभव: राधिका मदान

बालीवुड की फिल्म 'सरफिरा' के रीलिज को एक साल पूरे होने पर अभिनेत्री राधिका मदान ने अपनी भूमिका को याद किया और कहा कि यह फिल्म मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा है। अभिनेत्री राधिका ने कहा कि यह यकीन करना मुश्किल है कि फिल्म को रिलीज हुए एक साल हो गया है, ऐसा लगता है मानो अभी कुछ दिन पहले ही अक्षय और उन्होंने इसकी शूटिंग की हो। उन्होंने माना कि 'रानी' का किरदार उनके करियर का सबसे कठिन रोल रहा। फिल्म में राधिका ने अक्षय कुमार की पत्नी का किरदार निभाया था जो एक महाराष्ट्रीयन महिला है। इस रोल के लिए उन्होंने मराठी संस्कृति और बोली को आत्मसात करने में काफी मेहनत की। दिल्ली की रहने वाली राधिका ने बताया कि उन्होंने हर प्रोजेक्ट में अलग-अलग बोलियों को सीखकर खुद को चुनौती दी है, चाहे वह उत्तर प्रदेश की बोली हो, जयपुरी लहजा हो या अब मराठी। मराठी के लिए उन्होंने लोकल लोगों के साथ समय बिताया ताकि उनकी भाषा और संस्कृति को समझकर उसे पर्दे पर ईमानदारी से उतार सकें। राधिका ने कहा कि मुंबई में मराठी बोलने वालों की संख्या काफी ज्यादा है और इसलिए सही उच्चारण और अंदाज सीखना जरूरी था। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया में उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला और यह उनके लिए बेहद रोमांचक रहा। इसके अलावा उन्होंने अक्षय कुमार, परेश रावल और निर्माता विक्रम मल्होत्रा जैसे अनुभवी और प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ काम करने को अपने लिए गर्व की बात बताया। राधिका ने यह भी कहा कि अक्षय कुमार के साथ 'सरफिरा' में काम करने के बाद अब वह उनके अगले प्रोजेक्ट 'सूबेदार' के लिए बेहद उत्साहित हैं। फिल्म 'सरफिरा' की बात करें तो इसे राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधा कोंगरा ने निर्देशित किया था और इसकी कहानी भारत में तेजी से बढ़ती स्टार्टअप दुनिया और एविएशन सेक्टर के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में एक व्यक्ति के सपने को दिखाया गया है जो हवाई यात्रा को आम आदमी की पहुंच में लाना चाहता है और इसके लिए तमाम मुश्किलों का सामना करता है। राधिका मदान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'सूबेदार' में नजर आएंगी जिसमें वह अनिल कपूर की बेटी की भूमिका निभा रही हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।